राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्टेटमेन्ट टुडे

RNI No: UPHIN/2016/67528 StatementToday @statement_today

वर्ष 9 अंक 20 लखनऊ, सोमवार 22 सितम्बर से 28 तिसम्बर 2025 पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपये

उप्र की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित एवं लखनऊ, गोरखपुर, बुन्देलखण्ड, पटना, सीवान, गोपालगंज, दिल्ली से प्रसारित

मेरी माँ और जान्हवी ने मुझे सबसे ज्यादा फैशन 3

स्मृति मंधाना ने तोड़ा विराट कोहली का 6

मॉडर्न कोच फैक्ट्री मजदूर संघ का 9

एच-1 बीः वीजा पाबंदियों के असर का अध्ययन जारी, विदेश मंत्रालय बोला...

दोनों देश मिलकर इस मुद्दे को सुलझाएंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के एच-1बी वीजा की पाबंदियों के सभी प्रभावों का अध्ययन चल रहा है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि इससे कई परिवारों को व्यवधान हो सकता है। भारत और अमेरिका के उद्योग नवाचार और रचनात्मकता में जुड़े हैं और दोनों देश मिलकर सबसे उपयुक्त समाधान खोजेंगे। बता दें, अमेरिका ने वीजा शुल्क एक लाख डॉलर कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाई गई हालिया पाबंदियों पर बयान जारी किया है। मंत्रालय ने बताया कि सभी संभावित प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है। साथ ही चेतावनी दी कि इस कदम

के मानवीय परिणाम हो सकते हैं और यह कई परिवारों के जीवन में व्यवधान पैदा कर सकता है। विदेश मंत्रालय अपने बयान में यह स्पष्ट किया है कि इस मुद्दे पर गंभीर रूप से विचार किया जा रहा है और किसी भी निर्णय से पहले सभी हितधारकों की राय को शामिल किया जाएगा। मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत और अमेरिका दोनों के उद्योग नवाचार और रचनात्मकता में जुड़े हैं और उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश मिलकर इस मुद्दे पर सबसे उपयुक्त रास्ता खोजेंगे। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारतीय उद्योग और अमेरिकी साझेदार इस पर परामर्श कर सकते हैं ताकि पेशेवरों और परिवारों पर न्यूनतम असर पड़े। कब से नियम लागू? यह नियम 21 सितंबर से लागू होगा और इसके लिए केवल एक दिन की समयसीमा दी गई है। भारतीय आईटी उद्योग संगठन नैसकॉम ने कहा कि इतनी कम समयसीमा कंपनियों, पेशेवरों और छात्रों के लिए भारी अनिश्चितता खड़ी कर रही है।

भारत में गृहयुद्ध चाहते हैं, सोरोस संग देश बांटने की साजिश : निशिकांत दुबे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर जेनजेड पोस्ट के जरिए भारत में गृह युद्ध भड़काने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी देश को बांटने के लिए सोरोस फाउंडेशन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जबकि बीजेपी श्परिवारवादश् और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनजेड आंदोलनों का समर्थन करेगी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी के जनरेशन जी (ळमर्द) वाले पोस्ट की आलोचना की, जिसमें वोट चोरी का दावा किया गया था। एएनआई से बात करते हुए, दुबे ने दावा किया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी भारत में गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

एकता में ही भारत की ताकत : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कोलकाता में भूमि दुर्गा पूजा का उद्घाटन करते हुए कहा कि बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों को परेशान करना गलत है। उन्होंने कहा कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता और एकता में है। ममता ने मानवता को बंगाल की धरोहर बताया और मौसम पर चिंता जताई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि देश की ताकत उसकी विविधता और आपसी सम्मान में है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों के साथ उत्पीड़न की घटनाएं सामने आई हैं, जिस पर उन्होंने गंभीर चिंता जताई। ममता ने कहा कि हर भाषा और संस्कृति का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि भारत की आत्मा एकता में ही बसती है। लेक टाउन में भूमि दुर्गा पूजा के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए ममता ने कहा कि बंगाल में हर समुदाय मिलकर त्योहार मनाता है। दुर्गा पूजा बंगाल की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कोई अपनी मां को %मां% कहे, कोई %अम्मा% कहे, लेकिन भावनाओं में कोई फर्क नहीं होता।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहाः राहुल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर से चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला है। उन्होंने आयोग पर तंज कसते हुए कहा कि, चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा। विस्तार से पढ़ें खबर..... कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को एकबार फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग का नाम लिए बिना कहा कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा। उनकी यह टिप्पणी वोट चोरी के मुद्दे पर अपने हमले को तेज करने के एक दिन बाद आई है। जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर ष्लोकतंत्र को नष्ट करने वालोंष् को रक्षा करने का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने कल की अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस का 36 सेकेंड का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि सुबह

4 बजे उठो, 36 सेकंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ – ऐसे भी हुई वोट चोरी ! चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा। गांधी 36 सेकंड के वीडियो में कथित ष्वोट चोरीष् की कार्यप्रणाली के बारे में बता रहे हैं। इससे पहले गुरुवार शाम को एक पोस्ट में राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा था कि देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेन जी, संविधान की रक्षा करेंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी रोकेंगे।

प्रियंका गांधी ने किया वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान का आह्वान, बोलीं- लोकतंत्र बचाने एकजुट हों

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने नागरिकों से श्वोट चोरी हस्ताक्षरश् अभियान में शामिल होने का आग्रह किया है, जिसका लक्ष्य श्एक व्यक्ति, एक वोटश् के लोकतांत्रिक सिद्धांत और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना है। यह अभियान चुनाव आयोग (म्ब्) पर कांग्रेस के आरोपों के बाद शुरू हुआ है कि वह चुनावी प्रक्रिया को नष्ट कर भारतीय लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है, जिसे राहुल गांधी ने भी उजागर किया है। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को देश भर के नागरिकों से पार्टी के ष्वोट चोरी हस्ताक्षरष् अभियान में शामिल होने का आग्रह किया, जिसका उद्देश्य श्एक व्यक्ति, एक वोटश् के लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा करना है। कांग्रेस नेता ने प्रत्येक व्यक्ति के मतदान के अधिकार की रक्षा और भारतीय लोकतंत्र की नींव रखने वाले संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, वायनाड से सांसद ने कहा कि प्रत्येक हस्ताक्षर उतना ही महत्वपूर्ण है।

ईवीएम पर कांग्रेस का हल्ला बोलः दिग्विजय बोले, मतपत्र से कराओ चुनाव, हैकर्स का खतरा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी के ष्वोट चोरीष् आरोपों के बाद, दिग्विजय सिंह ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर संदेह जताते हुए मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग की है। उन्होंने वैश्विक चुनाव हेरफेर में इजरायली सॉफ्टवेयर के उपयोग की रिपोर्ट साझा करते हुए भारत में मतदान की निष्पक्षता पर सवाल उठाया और टटचज् पर्चियों को मतदाताओं को सौंपने की वकालत की। चुनाव आयोग ने हालांकि राहुल गांधी के सभी आरोपों को निराधार बताया है। राहुल गांधी के नए वोट चोरी के आरोपों के बाद, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में धांधली का आरोप लगाया और मतपत्रों को वापस लाने की मांग की। ग् पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए, जिसमें दुनिया भर में चुनावों में हेरफेर करने के लिए इजराइली सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का दावा किया गया था, कांग्रेस नेता ने भारत में मतदान की निष्पक्षता पर संदेह जताया। कांग्रेस ने लिखा कि क्या हम आज के उन्नत तकनीक के युग में देश के चुनावों को हैकर्स के हवाले कर सकते हैं? जरा सोचिए। क्या हमें भारत के चुनाव मतपत्रों, यानी वोटिंग पेपर का उपयोग करके नहीं कराने चाहिए?

अमूल ने 700 उत्पादों के दाम घटाए

एक लीटर घी 40 तक सस्ता, 22 सितंबर से लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली। अमूल ने 22 सितंबर से हो रही जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को देने का फैसला किया है। इसके तहत अमूल की मार्केटिंग कंपनी गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने 700 उत्पादों के दाम घटा दिए हैं। नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगीं। जीएसटी दरों में होने जा रहे बदलाव का असर नजर आने लगा है। इस बीच अमूल की मार्केटिंग कंपनी गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने 700 उत्पादों के दाम घटा दिए हैं। नए मूल्यों के तहत एक लीटर घी की कीमतों में 40 रुपये तक की कटौती की गई है। कंपनी ने कहा है कि नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगीं। मक्खन, घी, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, चॉकलेट, बेकरी रेंज, फ्रोजन डेयरी और आलू स्नैक्स, कंडेंस्ड मिल्क, पीनट स्प्रेड, माल्ट-बेस्ड ड्रिंक जैसे उत्पादों के मूल्य में संशोधन हुआ है। इससे पहले मदर डेयरी ने भी 22 सितंबर से अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की घोषणा की थी। इन चीजों की कीमतों में इतनी कटौती

अमूल ने 22 सितंबर से हो रही जीएसटी दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने का निर्णय लिया है। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने कहा कि मक्खन (100 ग्राम) का एमआरपी 62 रुपये से घटाकर 58 रुपये कर दिया गया है। घी की कीमत 40 रुपये घटाकर 610 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। अमूल प्रसंस्कृत पनीर ब्लॉक (1 किग्रा) का मूल्य 30 रुपये घटाकर 545 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। जबकि फ्रोजन पनीर (200 ग्राम) का नया एमआरपी 22 सितंबर से 95 रुपये होगा, जो अभी 99 रुपये है।

कीमतों के बारे में वितरकों को दी जानकारी

अमूल ने पहले ही अपने वितरक, अमूल पार्लर और खुदरा विक्रेताओं को कीमतों में हुई कटौती के बारे में जानकारी दे दी है। कंपनी ने कहा कि हमारा मानना है कि कीमतों में कमी से डेयरी उत्पादों, विशेषकर आइसक्रीम, पनीर और मक्खन की व्यापक रेंज की खपत बढ़ेगी। भारत में प्रति व्यक्ति खपत अभी भी बहुत कम है, जिससे विकास के बड़े अवसर पैदा होंगे। कीमतों में कमी से उसके डेयरी उत्पादों की मांग बढ़ेगी। जिससे उसके कारोबार में वृद्धि होगी।

11 फीसदी बढ़ा जीसीएमएमएफ का राजस्व

अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पाद बेचने वाली सहकारी संस्था जीसीएमएमएफ ने पिछले वित्त वर्ष में राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह 65,911 करोड़ रुपये रही। यह मुख्य रूप से सभी श्रेणियों में मात्रा में वृद्धि के कारण हुआ। इसके बाद अमूल ब्रांड का कुल अन-डुप्लिकेट राजस्व पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर लगभग 90,000 करोड़ रुपये हो गया, जो 2023-24 में लगभग 80,000 करोड़ रुपये था। जीसीएमएमएफ के स्वामित्व में 36 लाख किसान हैं।

वैरिएंट	वॉल्यूम	कीमत
स्टैंडर्ड	आधा लीटर	₹31
बफेलो	आधा लीटर	₹37
गोल्ड	आधा लीटर	₹34
गोल्ड	एक लीटर	₹67
स्लिम एंड ट्रिम	आधा लीटर	₹25
टी स्पेशल	आधा लीटर	₹32
टी स्पेशल	एक लीटर	₹63
ताजा	आधा लीटर	₹28
ताजा	एक लीटर	₹55

भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा, बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

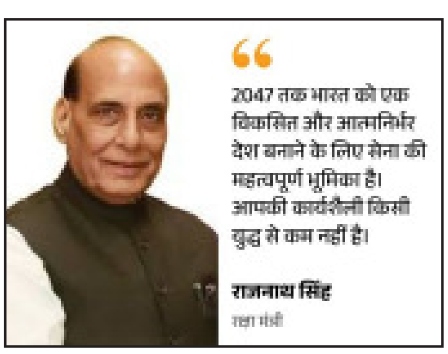

नई दिल्ली,(एजेंसी)। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। रक्षा मंत्री आगे क्या कहा, आइए विस्तार से जानें। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर लड़े गए युद्ध से तय नहीं होती, बल्कि यह पूरे देश के लोगों के संकल्प और एकजुटता से तय होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध के दिग्गजों से बातचीत में यह बात कही। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ष्भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। हमने अपनी नियति स्वयं तय की है... इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है। पहलगाम को यादकर मन गुस्से से भर जाता है रक्षा मंत्री ने कहा कि हम पहलगाम की भयावह घटनाओं को नहीं भूले हैं और जब भी हम उन्हें याद करते हैं, हमारा दिल भारी हो जाता है और मन क्रोध से भर जाता है। वहां जो हुआ उसने हम सभी को झकझोर दिया। लेकिन वह घटना हमारे मनोबल को नहीं तोड़ पाई। हमने आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी राजनाथ सिंह ने कहा, ष्हमारे प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने का संकल्प लिया जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और अपने दुश्मनों को दिखाया कि हमारा प्रतिरोध कितना मजबूत और शक्तिशाली है। हमारी पूरी टीम की ओर से दिखाए गए समन्वय और करिश्मे ने साबित कर दिया कि जीत अब कोई अपवाद नहीं है। जीत एक आदत बन गई है और हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए।

योगी बोले- किसी से मिलिए तो स्वदेशी गिफ्ट दीजिए

मथुरा में सीएम ने कहा- पैसा विदेश गया तो हमारे खिलाफही साजिश होगी

मथुरा,(एजेंसी)। योगी ने मथुरा में कहा कि अपने लोगों को स्वदेशी गिफ्ट दीजिए। विदेशी हमसे मुनाफ कमाएंगे, इसके बाद हमारे खिलाफही साजिश रचेंगे। पर्व और त्योहार आने वाले हैं। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से लेकर विजयादशमी तक अगर कोई भारतीय अपने रिश्तेदारों से मिले तो उसे स्वदेशी गिफ्ट ही दे। हमारा हस्तशिल्पी, कारीगर जो भी उत्पाद बनाता है। इसे खरीदने पर पैसा हमारे हस्तशिल्पी, हमारे कारीगर के हाथों में जाएगा। इससे भारत का विकास होगा। सीएम शुक्रवार को मथुरा पहुंचे थे। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव के दूसरे दिन विराट युवा सम्मेलन को संबोधित किया। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए सीएम योगी ने कहा- लोग कहते थे कि क्या अयोध्या में राम मंदिर बन पाएगा। हम तब भी कहते थे कि रामलला आएंगे। मंदिर वहीं बनाएंगे। संघ परिवार का विचार, परिवार का हर कार्यकर्ता इस नारे को लेकर चलता था। देश के सेक्युलर दलों के लिए असंभव था। लेकिन भारत के नौजवानों के लिए संभव था। डबल इंजन की सरकार आई। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर निर्माण भी हो गया, रामलला विराजमान भी हो गए। एक जनपद एक उत्पाद की योजना हमने लागू की सीएम योगी ने कहा- एक जनपद एक उत्पाद की योजना हमने लागू की। इसमें 96 लाख यूनिट काम कर रही हैं। 2 करोड़ लोगों को रोजगार की गारंटी मिली है। पीएम मोदी ने युवाओं के स्टार्टअप के लिए इको सिस्टम को बढ़ाने का काम किया। स्टार्टअप केवल आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में नहीं होता। पंडित दीनदयाल धाम में गो- आधारित उत्पाद बनाए जा रहे हैं। यह भी एक स्टार्टअप है। विदेश वाले रुपए कमाकर, आतंकवाद में उपयोग करते हैं सीएम योगी ने कहा- हमारा हस्त शिल्पी, हमारा कारीगर जो भी उत्पाद बनाता है। उसे हम खरीदते हैं। इसका पैसा हमारे हस्तशिल्पी, हमारे कारीगर के हाथों में जाएगा। इससे हमारे देश का विकास होगा।

जाति-धर्म छोड़ो! तेजस्वी बोले- बिहार में अब सिर्फ विकास की नई राजनीति होगी

पटना,(एजेंसी)। तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जाति-धर्म से ऊपर उठकर विकास, सुधार और उद्योग पर केंद्रित श्नई राजनीतिश् का आह्वान किया है। उन्होंने प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और सकारात्मक बदलाव लाने का लक्ष्य रखा है, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को युवाओं की आकांक्षाओं से कटा हुआ बताया। बिहार में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को कहा कि वह नई राजनीति के लिए यहाँ आए हैं। उन्होंने जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की राजनीति करने का आह्वान दोहराया। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी रैलियों की तस्वीरें साझा करते हुए, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने कहा कि वह ष्विकास, सुधार, समृद्धि और उद्योगष् की राजनीति के लिए यहाँ आए हैं। यादव ने कहा कि मैं नई राजनीति करने आया हूँ। जहाँ जाति और धर्म की बात न हो, बल्कि हर क्षेत्र में विकास, सुधार, समृद्धि और उद्योग की बात हो। बिहार में प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश बढ़ाने पर चर्चा हो। जहाँ सकारात्मकता, रचनात्मकता, प्रगतिशीलता और गुणात्मक परिवर्तन राजनीति का आधार बनें। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्यव्यापी अभियान शुरू करने वाले राजद नेता ने खगड़िया जिले की एक रैली सहित अपनी हालिया रैलियों के वीडियो पोस्ट किए। उन्होंने दावा किया कि बिहार की मौजूदा राजनीतिक लड़ाई युवाओं और किसानों के भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने लिखा कि यह किसान के पसीने, मजदूर की मेहनत और बेरोजगार युवाओं के भविष्य की लड़ाई है... और यह करो या मरो की लड़ाई है, और मैं तब तक चैन से नहीं बैठूँगा जब तक बिहार को जीत नहीं दिला देता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बिहार के युवाओं की आकांक्षाओं से कटे हुए हैं और सेवानिवृत्त अधिकारियों और थके हुए नेताओं से घिरे हुए हैं। तेजस्वी यादव ने एक पोस्ट में लिखा, ष्बिहार के युवा बदलाव, अधिकार और आर्थिक क्रांति के लिए एकजुट हुए हैं। एक मुख्यमंत्री जो युवाओं के सपनों, उम्मीदों और आशाओं से वाकिफनहीं है, वह उनके लिए फ़ायदेमंद नीतियां नहीं बना सकता। ऐसा मुख्यमंत्री जो सेवानिवृत्त अधिकारियों और थके हुए नेताओं से घिरा हो, वह छात्रों और युवाओं की आकांक्षाओं को कभी नहीं समझ सकताष् कांग्रेस और राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन इस साल के अंत में होने वाले आगामी राज्य चुनावों में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (यूनाइटेड) ख्जेडी(यू), शामिल हैं, को चुनौती देने के लिए कमर कस रहा है।

हैंडसम एक्टर शाहिद कपूर बॉलीवुड का फेमस नाम हैं, लेकिन उनकी वाइफ पत्नी मीरा राजपूत फिल्मों से दूर रहकर भी लाइमलाइट में बनी रहती हैं. कभी वो अपनी लग्जरी लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं तो कभी ग्लैमरस लुक से फैंस को दिल लूटती हैं. लेकिन आज हम आपको ये बता रहे हैं वो क्या करती हैं और उनकी नेटवर्थ कितनी है.....

बिजनेसवुमेन हैं शाहिद की वाइफमीरा राजपूत

मीरा राजपूत ३० साल की हो चुकी हैं. वो लुक और स्टाइल में किसी हीरोइन से कम नहीं हैं बावजूद इसके उन्होंने फिल्मों में करियर नहीं बनाया बल्कि खुद का बिजनेस शुरू किया. मीरा का एक स्किनकेयर ब्रांड है. जिसका नाम ष्अकाइंड्ष् है. इसके साथ ही उनका ष्धुन वेलनेसष् नामक एक वेलनेस रिट्रीट सेंटर भी है, जो आयुर्वेदिक थेरेपी और अन्य सेवाएं देता है. इनके जरिए मीरा की काफी तगड़ी कमाई होती है. यूट्यूब और ब्रांड्स से होती है मोटी कमाई

मीरा राजपूत ने यूट्यूब पर स्किन एंड विदिन नामक एक सीरीज भी शुरू की है. इसमें मीरा स्किनकेयर से जुड़ी सभी चीजों पर चर्चा करती हैं, उनके शो में अभी तक कई बड़े स्टार्स नजर आ चुके हैं. अपने ब्रांड और यूट्यूब चौनल से मीरा हर महीने लाखों रुपए की कमाई करती हैं. इसके अलावा उनकी कमाई का जरिए ब्रांड्स शूट भी है. वो कई महंगे ब्रांड्स जैसे मिनीक्लब की एंबेसडर भी हैं.

मीरा का कार कलेक्शन और आलीशान घर

मीरा राजपूत के गैराज में पोर्श केयेन जीटीएस, मर्सिडीज बेंज जीएल क्लास, रेंज रोवर वोग, जगुआर एक्सजे आर-एस जैसी महंगी गाड़ियां मौजूद है. मीरा और शाहिद के मुंबई में कई घर हैं. इसमें एक शानदार डुप्लेक्स अपार्टमेंट भी है. जिसकी कीमत 56.6 करोड़ रुपये है. इसके अलावा उनका जुहू में एक सीफेसिंग घर भी है. इसकी कीमत 35 करोड़ रुपए बताई जाती है.

दो बच्चों की मां हैं मीरा राजपूत

बता दें कि मीरा और शाहिद ने साल 2015 में शादी की थी. दोनों की अरेंज मैरिज थी. जो दिल्ली में हुई थी. आज ये कपल दो बच्चों एक बेटी और एक बेटे के पेरेंट्स हैं. जिन्हें वो लाइमलाइट से दूर रखती हैं.

मेरी माँ और जान्हवी ने मुझे सबसे ज्यादा फैशन के लिए प्रेरित किया हैः खुशी कपूर

सिनेमा के दिग्गजों के परिवार में जन्मी, खुशी कपूर का अभिनय की दुनिया में सफर शायद हमेशा से ही सितारों में लिखा हुआ था। छोटी उम्र से ही, वह फिल्मों के जादू से मोहित हो गई थीं, यह आकर्षण उनके परिवार के काम को देखने से प्रेरित था। इस खास बातचीत में, खुशी एक अभिनेत्री बनने के अपने सफर पर विचार करती हैं, अपने करियर, शोबिज की चुनौतियों और अपने परिवार के निरंतर सहयोग पर खुलकर बात करती हैं। वह एक कलाकार के रूप में अपनी जगह बनाने, हर प्रोजेक्ट से सीखे गए सबक और अपने सबसे प्रिय लोगों के सकारात्मक प्रभाव के बारे में खुलकर बात करती हैं।

आपको कब एहसास हुआ कि आपको फिल्म शूटिंग में रुचि है?

मुझे लगता है कि मुझे हमेशा से ही पता था, बचपन से ही मुझे बस यही पता था। मैं अपने माता-पिता और परिवार को ऐसा करते देखता आया हूँ। इसलिए, इसने मुझमें हमेशा से ही एक तरह की दिलचस्पी जगाई है। मुझे लगता है कि मुझे बहुत छोटी उम्र से ही इसमें दिलचस्पी थी। मुझे लगता है कि फिल्में देखने और अपने परिवार को फिल्मों में काम करते देखने से, यही एकमात्र चीज है जिसमें मुझे शुरू से ही दिलचस्पी रही है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह चिंगारी कब लगी, लेकिन मुझे लगता है कि हर कोई हमेशा से ही इसे समझ रहा था।

क्या आपने कभी अपने माता-पिता से इस बारे में बात की या उन्हें यूँ ही बता दिया कि आप यही करना चाहते हैं? या क्या उनके मन में हमेशा कोई न कोई विचार रहता था?

नहीं, कोई बातचीत नहीं हुई। कोई चर्चा नहीं हुई। बस इतना समझ आया कि वो यही करना चाहती थी।

क्या कोई खास फिल्म है जिसने आपको अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया? क्योंकि आपने बताया कि बचपन में आपने बहुत सारी फिल्में देखी थीं।

जब हम छोटे थे, तब ऐसे कई मौके आए थे। हमारा खेल का समय टीवी पर फिल्में लगाना और फिर बस उनका अभिनय करना होता था। और हम अपने पूरे परिवार को बिठाकर हमें ये अधूरे अभिनय करते हुए देखते थे। हम अपनी अलमारी से दुपट्टे निकालकर अपने बदन पर डालते थे। हम एक अस्थायी साड़ी बनाते थे और शांति प्रिया की तरह ओम शांति ओम देखते थे। यह हमारे लिए मजेदार था। यह एक छोटे से खेल जैसा था और रोमांचक था। और मुझे लगता है कि आपका काम आपके लिए रोमांचक होना चाहिए। और मैं इतनी छोटी उम्र से ही इन सबका दीवाना था। यह मेरे लिए हमेशा वाकई बहुत रोमांचक रहा।

आपने कहा था कि आपको फिल्मी दुनिया बहुत पसंद थी, तो अब जब आप खुद फिल्मी दुनिया में आ गए हैं, तो आपको शोबिज में सबसे मुश्किल चीज क्या लगती है? आपके लिए सबसे मुश्किल चीज क्या है? शायद एक हकीकत।

मुझे लगता है क्योंकि मैंने इसे बहुत बार देखा है, इसलिए वास्तविकता का कोई एहसास नहीं हुआ। मुझे लगता है कि जब दुनिया कैसी है, चीजें कैसे चलेंगी और कैसे काम करेंगी, इस बारे में मेरी उम्मीदों की बात आती थी, तो मैं हमेशा बहुत जमीनी स्तर पर रहा। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई पल आया जब मैंने सोचा हो, ओह, ये तो असल में ऐसा ही है। क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने हमेशा देखा है कि पर्दे के पीछे चीजें कैसे चलती हैं। लेकिन मुझे लगता है कि कभी-कभी बाहरी शोर को दबाना मेरे लिए मुश्किल होता है। मुझे लगता है कि काम अपने आप में बेहद संतोषजनक और रोमांचक है और यह एक समृद्ध अनुभव है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको बाहरी कारकों को नजरअंदाज करने की जरूरत है। क्योंकि मुझे लगता है कि एक अभिनेता के तौर पर, आप ही वो मुख्य चीज हैं जो खुद को रोक सकती है। इसलिए मुझे लगता है कि चिंता न करना और खुद को बेवकूफ बनाने में सहज होना और किसी भी तरह की हिचकिचाहट न होना एक बात है।

तो आपके तीनों प्रोजेक्ट, आर्चीज, लवयापा और नादानियाँ, अपने-अपने तरीके से बहुत अलग हैं। हर एक पर काम करना कैसा रहा और एक अभिनेता के तौर पर आपके लिए ये कैसे अलग थे?

मुझे लगता है कि हर फिल्म एक अविश्वसनीय रूप से अलग अनुभव था। मुझे लगता है कि एक फिल्म करना अपने आप में जीवन भर का ज्ञान प्राप्त करने जैसा है। इसलिए मुझे लगता है कि चूँकि हर निर्देशक की प्रक्रिया बहुत अलग होती है, इसलिए आप उनके रिहर्सल के तरीके, किसी सीन का अभ्यास, सीन का विश्लेषण, और रिहर्सल के उनके तरीके के अनुसार खुद को ढाल लेते हैं। और फिर, जाहिर है, हर फिल्म के लिए वर्कशॉप अलग-अलग होती हैं, किरदार के आधार पर, आपसे अलग-अलग चीजें करने के लिए कहा जाता है और उम्मीद की जाती है। इसलिए मुझे लगता है कि मेरे लिए हर फिल्म बेहद अलग रही है। लेकिन मुझे लगता है कि मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि जब मैंने आर्चीज की थी, तब मैं वाकई बहुत नया था और मैं बहुत डरा हुआ था। इसलिए मुझे लगता है कि मैं बहुत सावधानी से काम ले रहा था। मैं बहुत चिंतित था। मुझे लगता है कि आप ज्यादा इनपुट और ज्यादा आइडियाज दे सकते हैं और मुझे लगता है कि जितना ज्यादा मैं काम कर रहा हूँ, उतना ही मुझे एहसास हो रहा है कि मैं ज्यादा रचनात्मक इनपुट दे सकता हूँ और कुछ चीजों पर अपनी राय दे सकता हूँ, जबकि शुरुआत में मैं अपने विचार जाहिर करने को लेकर थोड़ा ज्यादा आशंकित था।

आज की दुनिया की बात करें तो लोग एक्टर्स को बहुत जल्दी जज कर लेते हैं, चाहे वो सोशल मीडिया पर हो या फिर आम तौर पर जब वे आपको टेलीविजन या स्क्रीन पर देखते हैं। आपके लिए यह प्रक्रिया कैसी है? क्या यह आपको कभी परेशान करता है और क्या आप इस शोर को दबा देते हैं?

मुझे लगता है कि अगर आप इस क्षेत्र में हैं तो आपको इस बात को स्वीकार करना होगा कि लोगों की आपके बारे में राय होगी और जरूरी नहीं कि सभी की राय अच्छी हो। एक बार जब आप इसे स्वीकार कर लेते हैं और समझ जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि हर कोई आपको प्यार करे, क्योंकि यह यथार्थवादी बात नहीं है। आप बस इतना कर सकते हैं कि पूरी मेहनत करें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें और उम्मीद करें कि आपका काम दूसरे लोगों को पसंद आएगा। बेशक, आलोचना स्वीकार करें, प्रतिक्रिया सुनें और उस पर काम करें। मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि आप भ्रमित न हों, आपको यह सुनना होगा कि दूसरे लोग आपके बारे में क्या कहते हैं और आपको खुद पर लगातार काम करते रहना होगा। मुझे नहीं लगता कि कोई भी व्यक्ति कभी उस मुकाम पर पहुँचता है जहाँ वह खुद से पूरी तरह संतुष्ट हो। इसलिए मुझे लगता है कि दूसरे लोग क्या कह रहे हैं, यह सुनना जरूरी है और साथ ही उन चीजों को न सुनना भी जरूरी है जो महत्वपूर्ण नहीं हैं।

आपकी जिंदगी में वो कौन सा इंसान है जिसकी सलाह आप सबसे ज्यादा मानते हैं?

मुझे लगता है कि मैं हर बात के लिए अपने परिवार के पास जाता हूँ। मैं अपने पापा और जान्हवी के साथ रहता हूँ, इसलिए मुझे लगता है कि मैं किसी भी बात के लिए तुरंत उन्हें मैसेज कर देता हूँ और मैं हमेशा उनकी बात सुनता हूँ और मैं इस बात को बहुत महत्व देता हूँ।

यह तो सभी जानते हैं कि आप अपने पिता के सबसे प्रिय हैं। तो आपको अपने पिता की कौन सी बात सबसे ज्यादा पसंद है?

मुझे लगता है कि वे बहुत ही कोमल स्वभाव के हैं और मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत प्यारा है कि वे हम सबका कितना ख्याल रखते हैं। मुझे लगता है कि वे बहुत देते हैं और यही एक चीज है जिसकी मैं उनकी बहुत प्रशंसा करता हूँ।

आपने अपनी माँ और अपनी बहन से क्या सीखा है?

संपादकीय........

पराली की कसक

निर्विवाद रूप से पर्यावरण प्रदूषण देश के सामने एक बड़ा संकट है। लाखों लोगों के जीवन पर इससे संकट के बादल मंडराते हैं। शीत ऋतु की दस्तक के साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया के बीच अक्सर इस संकट के मूल में निकटवर्ती राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार बताने की कवायद हर साल होती है। इस बार भी पंजाब में धान की खरीद शुरू होने के बाद विभिन्न हितधारकों का ध्यान एक मौसमी समस्या पराली जलाने की ओर आकर्षित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से उस कुप्रथा में लिप्त कुछ किसानों को गिरफ्तार करने के बारे में निर्णय लेने को कहा है, जिसे हर साल अक्तूबर-नवंबर में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बताया जाता है। वैसे न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया है कि 'हमारे लिये किसान विशेष हैं और हम उनकी बदौलत ही भोजन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अपनी खाद्य शृंखला को मजबूत कर रहे हैं।' लेकिन वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य से पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में कड़ा संदेश देने के लिये दंडात्मक प्रावधान लागू करने का भी आग्रह किया है। निर्विवाद रूप से देश में पंजाब और हरियाणा, जो कि खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी राज्य भी हैं, पराली जलाने से रोकने के लिये विगत में कभी-कभी किसानों को जेल में भी डालते रहे हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि यह कठोर कदम व्यावहारिक धरातल में एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हो सका है। हमें इस बात की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में हुई गिरफ्तारियों और भारी जुर्माने ने इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के गुस्से को भड़काया ही है। जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफआवाज उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सत्ताधीशों के लिये किसानों पर आपराधिक मुकदम चलाना राजनीतिक दृष्टि से एक जोखिम भरा कदम माना जाता है। निस्संदेह, इन राज्यों में किसान अब एक प्रभावशाली वोट बैंक बन चुके हैं। खासकर पंजाब में किसानों की जागरूकता सत्ताधीशों पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाती है। सर्वविदित है कि देश के सीमावर्ती राज्य पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसानों के खिलाफकोई सख्त कदम उठाना संवेदनशीलता की दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए अधिकारी किसी संभावित आक्रोश से बचने के लिये दंडात्मक कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में वे कोई सुरक्षित रुख अपना सकते हैं। निस्संदेह, किसी ऐसी सख्त कार्रवाई से पहले ही प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे किसानों की स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे हालात में किसानों से टकराव की बजाय सहयोग को प्राथमिकता बनाना तार्किक कहा जा सकता है। आर्थिक विकल्प, दंड से बेहतर काम करेगा। दूसरी ओर किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हम उन्हें सशक्त बनाकर इस संकट का तार्किक समाधान निकाल सकते हैं। सरकार प्रयास करे कि पराली का उपयोग उद्योगों द्वारा जैव ईंधन के रूप में एक उत्पादक विकल्प के तरह किया जाए। हमारे देश के ऊर्जा उत्पादन में बायोमास के उपयोग को बढ़ावा देने से जमीनी स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है। पराली आधारित बॉयलरों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये पूंजीगत सब्सिडी सराहनीय पहल बन सकती है। सर्दियों में भीषण ठंड से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की भलाई सुनिश्चित करने वाले पर्यावरण अनुकूल कदम उठाना भी जरूरी है। साथ ही पराली का निस्तारण करने वाली मशीनों की खरीद के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मशीनों की खरीद में सब्सिडी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारिता के आधार पर इनके उपयोग से भी सार्थक परिणाम मिल सकते हैं। इस दिशा में किसानों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाए जाने जरूरी हैं। उन्हें बताया जाना चाहिए कि खेत में पराली जलाने से जहां खेतों की उर्वरता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, वहीं इससे उठने वाला धुआं उनके व परिवार के लिये भी घातक है।

राहुल गांधी की दूसरी प्रेस कांफ्रेंस, कुछ नए सवाल

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में फिर से वोट चोरी और चुनावी धांधली के नए सबूत पेश किए हैं। बुधवार शाम को जब सूचना आई कि श्री गांधी 18 सितंबर की सुबह प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, तो कयास लगने की लगे कि 1 सितंबर को जिस हाईड्रोजन बम का डर उन्होंने भाजपा को दिखाया था, वो फूटने वाला है। लेकिन प्रेस कांफ्रेंस शुरु होते ही राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है। गौर करने की बात है कि राहुल गांधी ने इस बार प्रेस कांफ्रेंस में युवाओं को संबोधित किया है, क्योंकि इस देश का लोकतंत्र अब युवाओं को ही संभालना है। इसलिए उन्हें न केवल चुनावी प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए, बल्कि ये भी पता होना चाहिए कि इसमें किस किस्म की गड़बड़ी की जा सकती है। अभी यह कहना मुश्किल है कि कितने युवाओं ने इस प्रेस कांफ्रेंस को देखा और राहुल गांधी की बात को समझा है। लेकिन देश का युवा राहुल गांधी के दिखाए सबूतों के आधार पर अगर मोदी सरकार से और चुनाव आयोग से सवाल करने लग जाए तो फिर ऐसी धांधलियों पर काफी हद तक रोक लग जाएगी। गुरुवार की प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त को भी कड़ी चेतावनी दी है कि आप को पद संभालते वक्त ली जाने वाली शपथ याद रखनी चाहिए। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। वोट चोरी का काम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार में संरक्षण हो रहा है। बता दें कि 7 अगस्त की प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर कई नाम जोड़े जाने के सबूत पेश किए थे। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने बताया है कि कैसे मतदाता सूची से नाम काटे गए हैं और इसके लिए अलग-अलग राज्यों से फोन नंबर का इस्तेमाल हुआ है। राहुल गांधी प्रेस कांफ्रेंस में ऐसे लोगों को लेकर भी आए जिनके नाम से वोट काटे गए। इन्हीं में से एक शख्स ने बताया कि उनके नाम से 12 वोट काटे गए, जबकि उन्होंने कभी ऐसा किया ही नहीं। दो शख्स और आए, जिनमें एक का नाम सूची से काटा गया था और दूसरे ने नाम काटने की अर्जी दी थी। लेकिन असल में दोनों ही इस बात से अनजान थे कि उनके नाम पर ऐसा कुछ हुआ है। एक दिलचस्प उदाहरण भी राहुल गांधी ने दिया कि एक शख्स ने सुबह चार बजे उठकर दो अर्जियां दाखिल कीं और दोनों ही महज 36 सेकंड में दाखिल की गईं। यानी आधे मिनट में दो-दो आवेदन दिए गए वो भी सुबह 4 बजे, जिस पर एकबारगी यकीन नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसा हुआ है और इस सबके पीछे बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है। राहुल गांधी के मुताबिक योजना बनाकर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर वोटर लिस्ट से नाम काटा जा रहा है। जिस बूथ पर कांग्रेस वोटर ज्यादा हैं, वहीं वोट काटा जा रहा है। कर्नाटक की ही आलंद विधानसभा का प्रमाण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि आलंद में किसी ने 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। हमें यह नहीं पता कि 2023 के चुनाव में कुल कितने वोट हटाए गए हैं, लेकिन इतना तय है कि यह संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा थी। राहुल ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब गलती से एक वोट डिलीट करने के दौरान गड़बड़ी पकड़ में आ गई। दरअसल, एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। जब उसने जांच की कि यह वोट किसने डिलीट किया, तो पता चला कि उसका ही पड़ोसी जिम्मेदार दिखाया गया है। लेकिन जब उसने अपने पड़ोसी से बात की, तो उसने साफकहा कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया। यानी जिसने वोट हटाया और जिसका वोट हटा- दोनों ही इस बात से अनजान थे। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है। सीआईडी ने 18 महीने में 18 पत्र चुनाव आयोग को भेजे हैं और पूछा कि हमें डेस्टिनेशन आईपी दीजिए, डिवाईस डेस्टिनेशन के बारे में जानकारी दीजिए, इसके अलावा ओटीपी ट्रेल को भी देने के लिए कहा। कर्नाटक की सीआईडी ने कई बार इसकी मांग चुनाव आयोग से की। लेकिन उस पर चुनाव आयोग ने जवाब नहीं दिया। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेंस के कुछ देर बाद ही चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावों के स्क्रीन शॉट पर गलत का ठप्पा लगा दिया और कहा कि आरोप गलत और निराधार हैं। आयोग ने अपने बचाव में कहा कि किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी के भी द्वारा नहीं हटाया जा सकता, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। लेकिन आयोग के इन दावों की व्यावहारिक हकीकत देश जानता है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जब किसी को जानकारी दिए बिना, या उसकी सुनवाई के बिना ही वोटर लिस्ट से नाम काटा गया है। बहरहाल चुनाव आयोग ने ये भी कहा कि 2023 में अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जाँच के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकारी द्वारा स्वयं एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन चुनाव आयोग ने अब भी ये नहीं बताया कि सीआईडी कर्नाटक ने 18 अलग-अलग मौकों पर जो जानकारी मांगी, वो क्यों नहीं दी गई। इसी तरह प्रेस कांफ्रेंस में कुछ खास लोगों ने यह दावा कैसे किया कि उनके नाम का दुरुपयोग करके नाम हटाए गए, और उन्हें पता ही नहीं चला। क्या चुनाव आयोग यह मानता है कि राहुल गांधी के साथ-साथ उन लोगों ने भी गलत जानकारी दी। अगर ऐसा है तो क्या कोई कार्रवाई की जाएगी। और सबसे आखिरी सवाल जब बार-बार चुनाव आयोग पर उंगली उठ रही है, तो क्या यह बेहतर नहीं होगा कि ज्ञानेश कुमार इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए खुद आगे आएं। बार-बार भाजपा उनके बचाव में क्यों खड़ी हो रही है।

रेजाज एम. शीबा सिद्दीक और लव जिहाद की मनगढ़ंत साजिश

साया संगर

आज भारत में, प्यार और दोस्ती को निजी दायरे से निकालकर राजनीति के मैदान में फेंक दिया गया है। जो सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला होना चाहिए था, उसे अब कपटपूर्ण रूप दिया जा रहा है। ष्लव जिहादष् का हौवा मुस्लिम पुरुषों को बदनाम करने, महिलाओं की स्वायत्तता छीनने और सांप्रदायिक उन्माद भड़काने के लिए गढ़ा गया एक मिथ्या ग्रन्थ है। श्लव जिहादश् एक मिथक है जिसमें मुस्लिम पुरुषों पर हिंदू महिलाओं को प्यार के बल पर धर्मांतरण के लिए फुसलाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि इसका कोई कानूनी या सांख्यिकीय आधार नहीं है, फिर भी इस लव जिहाद की साजिश ने नफरत का एक उद्योग खड़ा कर दिया है जिसे समाचार चौनलों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, राजनेताओं और नफरत फैलाने वालों द्वारा हथियार बनाया जाता है और निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर लगातार प्रसारित किया जाता है। हाल ही में रेजाज एम. शीबा सिद्दीक और ईशा को निशाना बनाया जाना दर्शाता है कि कैसे झूठ का इस्तेमाल उन लोगों को दबाने के लिए किया जाता है जो अपनी मर्जी से जिंदगी जीते हैं। रेजाज, एक युवा कार्यकर्ता और पत्रकार, जिन्होंने उत्पीड़ितों के बारे में निडरता से रिपोर्टिंग की, को मई में ष्ऑपरेशन सिंदूरष् की आलोचना करने वाले एक पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया और उन पर यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए, जबकि ईशा, एक कानून की छात्रा और एक प्रभावशाली-कार्यकर्ता, जो फिलिस्तीन और वामपंथी विचारों पर सामग्री पोस्ट करने के लिए भी मशहूर हैं, को उनके साथ कुछ समय के लिए हिरासत में रखा गया और उनसे पूछताछ की गई। मीडिया और पुलिस ने दोनों को सिर्फ साथ होने के लिए वस्तु बना दिया। रेजाज की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, संघ के सोशल मीडिया ने इस मौके का इस्तेमाल ष्लव जिहादष् की कहानी गढ़ने के लिए किया। जब भी कोई हिंदू महिला और एक मुस्लिम पुरुष साथ दिखाई देते हैं, हिंदू राष्ट्रवादी एक ऐसी पटकथा तैयार कर लेते हैं जिसमें मुस्लिम पुरुष को शैतान बताया जाता है, और हिंदू महिला से उसकी स्वायत्तता छीन ली जाती है और उसे हमेशा पुरुष का ब्रेनवॉश किया हुआ शिकार बना दिया जाता है, तब भी जब दोनों सहमति से वयस्क हों और अपनी पसंद बनाने में पूरी तरह सक्षम हों। रिपोर्टों के अनुसार, पूरी घटना को ष्द केरल स्टोरीष् फिल्म की तरह पेश किया गया था - एक ऐसी कहानी जिसने महिला को एक वस्तु बना दिया, उसे बिना वजह बदनाम किया और उसकी स्वायत्तता को अपराधी बना दिया। ऐसी प्रोपेगैंडा फिल्मों से यही नुकसान होता है। सिर्फइसलिए कि रेजाज मुस्लिम है और ईशा हिंदू है, वे आसान निशाना बन गए और ऑनलाइन दुर्व्यवहार, डॉक्सिंग और यहाँ तक कि उनके ष्एनकाउंटरष् के खुले आह्वान का शिकार हो गए। लेकिन इस सब शोर में जो बात छूट गई वह यह थी कि दोनों नास्तिक हैं, लेकिन आज के भारत में, चाहे आप नास्तिक हों या नहीं, आपको राजनीतिक एजेंडे के लिए आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। हमने बार-बार देखा है कि अंतर-धार्मिक विवाह, रिश्ते या दोस्ती के मामलों में, अगर हिंदू महिलाएं मुस्लिम पुरुषों के साथ देखी जाती हैं, तो उन्हें इस्लाम का शिकार बताया जाता है और भारत के राष्ट्रीय मीडिया की इस तरह के हानिकारक प्रचार को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका होती है। यहाँ तक कि पुलिस भी इस हानिकारक कहानी को फैलाने में भूमिका निभाती है। वे शायद ही कभी महिलाओं से पूछते हैं कि वे खुद क्या चाहती हैं। ष्लव जिहादष् का कोई सबूत नहीं है। यह कभी अस्तित्व में ही नहीं था। जो मौजूद है वह एक राज्य समर्थित तंत्र है जो प्रेम पर नियंत्रण रखता है, इस्लामोफोबिक षड्यंत्र रचता है और धर्म व जाति के दायरे से बाहर रहने की हिम्मत करने वालों को दंडित करता है। लव जिहाद और नैतिक पुलिसिंग के संदर्भ में, राज्य तंत्र महिलाओं को नियंत्रित करने और पितृसत्तात्मक सत्ता को मजबूत करने का काम करता है। रेजाज और ईशा के मामले में, दोनों को इस तरह से वस्तु बनाया गया कि उनसे उनका व्यक्तित्व ही छीन लिया गया। एक नास्तिक महिला को ष्हिंदू महिलाष् की भूमिका में धकेल दिया गया, एक ऐसी महिला जिसे इतना नाजुक और मूर्ख समझा गया कि वह अपने मन की बात नहीं समझ सकती और एक नास्तिक पुरुष को एक ऐसे मुस्लिम पुरुष की भूमिका में धकेल दिया गया जिसे एक शाश्वत शिकारी माना जा रहा है। यह ष्पीड़ितष् ढाँचा न केवल पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को लागू करता है, बल्कि इस खतरनाक धारणा को भी मजबूत करता है कि महिलाओं की स्वायत्तता सांप्रदायिकता के लिए खघ्तरा है और इस पर नजर रखी जानी चाहिए, इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए और इसे विनियमित किया जाना चाहिए। नाजीवाद के तहत, महिलाओं का जीवन किंडर, कुचे, किर्चे- बच्चों, रसोई, चर्च- तक सीमित था। फासीवाद को हमेशा महिलाओं की जरूरत होती है, लेकिन केवल उन्हीं की जो उनकी शर्तों का पालन करेंरू शुद्ध आज्ञाकारी पत्नियाँ और वफादार माँएँ।

ड्राई स्कैल्प से छुटकारा पाने के नेचुरल तरीके

ड्राई स्कैल्प, जो खुजली और बालों के झड़ने का मुख्य कारण है, उसका समाधान तीन अचूक घरेलू उपायों में निहित है। नारियल तेल स्कैल्प को पोषण देकर रूखेपन को कम करता है, जबकि एलोवेरा जेल के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण खुजली को शांत करते हैं और दही का हेयर मास्क नमी बनाए रखता है। इन उपायों से बालों की मजबूती भी बढ़ती है और एक हफ्ते में ड्राई स्कैल्प की समस्या से छुटकारा मिल जाता है। क्या आपको भी बार-बार सिर में खुजली और स्कैल्प रुखा रहता है? यदि हां, तो इसका कारण यह ड्राई स्कैल्प की निशानी है। ड्राई स्कैल्प के कारण बालों में खुजली होती और कई बार तो हेयर्स कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इस समस्या से ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं। स्कैल्प ड्राई रहने से बाल झड़ने की समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग परेशान ही हो जाते हैं। ड्राई स्कैल्प तब होता है जब शुष्क हवा, हार्मोनल परिवर्तन, तनाव, और सही से बालों की देखभाल न की जाए। इस आर्टिकल में हम आपको 3 अचूक उपाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से ड्राई स्कैल्प हफ्ते भर खत्म हो जाता है। नारियल का तेलनारियल का तेल आपके घर में जरुर होगा। नारियल ऑयल बालों को पोषण देता है और इसके साथ ड्राई स्कैल्प को भी कम कर देता है। आप रात को सोने से पहले आप हल्के गरम नारियल तेल से सिर की मालिश कर सकते हैं। अगले दिन हेयरवॉश कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिन फर्क दिखेगा। एलोवेरा जेल एलोवेरा स्किन और हेयर्स के लिए बेहद फायदेमंद होता है। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होता है, जो ड्राई स्कैल्प और खुजली की समस्या को जड़ से खत्म कर देता है। ताजा एलोवेरा जेल को सीधे स्कैल्प पर लगा सकते हैं केवल 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से बाल धो लें। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार करें, जिससे आपको स्कैल्प हेल्दी हो जाए।

दही का हेयर मास्क

बालों का रुखापन और खुजली कम करने के लिए आप दही हेयर मास्क भी यूज कर सकते हैं। क्योंकि दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्कैल्प को साफरखने और नमी बनाए रखने में मदद करता है। मास्क के बनाने के लिए एक कटोरी दही में थोड़ा-सा शहद मिला लीजिए अब इसका पेस्ट बना लें। फिर इसे आप अपने स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें। यह मास्क आपकी स्कैल्प को हाइड्रेट रखेगा और बालों को भी सॉफ्ट बना के रखेगा।

क्या आप जानते हैं कि तेज पत्ता, नमक और विनेगर की मदद से आप घर की तमाम समस्याओं को हल कर सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इन तीन चीजों की मदद से आप किस तरह से घर के काम को आसान बना सकती हैं।

अक्सर हम सभी फर्श पर लगे दाग हटाने के लिए क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं। वहीं घर को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए लोग अक्सर मार्केट से तमाम तरह के क्लीनर प्रोडक्ट खरीदकर लाते हैं। जिससे किसी भी चीज के दाग को हटाने के लिए घंटों का समय न बर्बाद करना पड़े। इसके लिए कुछ लोग कमरे में अच्छी फ्रेग्रेंस वाले क्लीनर भी लगाते हैं। इन प्रोडक्ट्स को खरीदने में हर महीने अच्छा खासा खर्च हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तेज पत्ता, नमक और विनेगर की मदद से आप घर की तमाम समस्याओं को हल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इन तीन चीजों की मदद से आप किस तरह से घर के काम को आसान बना सकती हैं।

पानी में उबालें तेज पत्ता

आमतौर पर तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में एक अलग स्वाद लाता है। जिन लोगों को मसाला चाय पीना पसंद होता है, वह भी इसका इस्तेमाल करते हैं। लेकिन तेज पत्ता को पानी में उबालने मात्र से घर की तमाम समस्याएं खत्म कर सकती हैं। इससे न सिर्फ घर की साफ-सफाई बल्कि कपड़ों से आने वाली बदबू भी दूर होती है।

इस घोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके घर में भी छोटे-छोटे कीड़े या जीव घूमते नजर आते हैं, तो उसके लिए भी यह घोल काफी कारगर साबित हो सकता है। तेज पत्ते की खुशबू और विनेगर के अम्लीय गुण मिलकर फंगस और बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। इस घोल को बनाने के लिए भगोने में पानी लें और फिर इसको गैस पर चढ़ा दें। इसके बाद इसमें तेज पत्ता, नमक और विनेगर और नींबू के छिलके डालकर उबालें। अब दो-तीन उबाल आने के बाद इस लिक्विड को ठंडा करके स्प्रे बोतल में भरकर घर में चारों ओर छिड़कें।

ऐसे साफकरें टॉयलेट सीट

घर के बाथरूम को साफकरने के लिए आप तेज पत्ता, नमक और विनेगर को पानी में उबालकर बोतल में भरें। अब इस घोल को बाथरूम की टाइल्स, शॉवर एरिया और टॉयलेट सीट पर स्प्रे करें। फिर कुछ देर बाद इसको पोंछ दें, इससे सारी गंदगी और कीटाणु साफहो जाएंगे और बदबू भी गायब हो जाएगी। खासकर यह घोल उन जगहों के लिए काफी अच्छा है, जहां पर नमी की वजह से गंदगी या फंगस की संभावना अधिक होती है।

फ्लोर क्लीनर के लिए करें इस्तेमाल

अगर आप घर की फर्श को साफकरने के लिए रोज-रोज मार्केट के चक्कर लगाती हैं। तो तेज पत्ता बड़े काम का है। पानी में तेज पत्ता, विनेगर और नमक डालकर 10-15 मिनट के लिए उबाल लें। जब यह लिक्विड ठंडा हो जाए, तो इसको ठंडा करके बोतल में भर लें। फिर जब भी पोछा लगाएं, तो इस घोल को पोछे वाले पानी में जरूरत के हिसाब से डालें। इससे फ्लोर कीटाणु रहित हो जाएगा।

कपड़ों की चमक के लिए करें इस्तेमाल

ऊपर बताए गए घोल को बनाकर आप कपड़ों पर लगे बदबू या दाग को हटा सकती हैं। आमतौर पर जिन लोगों को अधिक पसीना आता है। उनके कपड़ों से अजीब सी बदबू आती है। ऐसे में इन कपड़ों को धोने से पहले तेज पत्ता वाले घोल में कुछ देर भिगोकर रखने से कपड़ों की बदबू दूर हो जाती है।

नालियों की सफाई

अगर सप्ताह में दो बार घर में मौजूद ड्रेनेज की सफाई न की जाए, तो पानी रोकने और बदबू के आने जैसी समस्या होने लगती है। ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए यह घोल आपके लिए कारगर साबित हो सकता है। इसके लिए आपको सिर्फनमक, तेज पत्ता और विनेगर को डालकर उबालना है। इस लिक्विड को धीरे-धीरे नाली में डालें। इससे जमी चिकनाई और गंदगी साफहो जाती है और बदबू भी खत्म हो जाती है।

कम उम्र में ब्रेस्ट लटकने के कारण

आमतौर पर बढ़ती उम्र में स्किन में कोलजीन कम होने लगता है जिससे स्किन लटकने लगती है और ब्रेस्ट भी ढीलें होने लगते हैं। लेकिन आजकल सबसे बड़ी समस्या यह सामने आई है कि कम उम्र में ही महिलाओं के ब्रेस्ट ढीले होने लगते हैं। यह प्रॉब्लम धीरे-धीरे बढ़ती ही जा रही है। आइए आपको बताते हैं कम उम्र में यह समस्या क्यों बढ़ रही है, आपको बताते हैं।

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है तो ब्रेस्ट में बदलाव देखने को मिलता है। वैसे तो हर 2-3 साल में ब्रेस्ट के शेप में काफी बदलाव होने लगता है। शरीर के बढ़ने से कई बार चेंजेस देखने को मिलते हैं। ज्यादातर महिलाएं नोटिस करती हैं कि उनके ब्रेस्ट ढीलें हो गए हैं। अगर यह उम्र के कारण हो रहें तो ठीक है। यदि कम उम्र में यह समस्या देखने को मिलती है, तो यह कंडीशन ठतमेंज चजवेपे (ब्रेस्ट टोसिस) कहते हैं। आपको बता दें कि, यह आम बात है। हालांकि, कई महिलाएं ढीले ब्रेस्ट में कॉन्फिडेंस फील नहीं करती है। अघर आपके साथ भी यही समस्या है तो इनके पीछे के कारणों के बताने जा रहे हैं।

कम उम्र में ब्रेस्ट ढीले होने क्या कारण है?

प्रेग्नेंसी

महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान सबसे ज्यादा हार्मोस में बदलाव देखने को मिलता है। इस दौरान ब्रेस्ट टिशू खिंच जाते हैं। यह इसलिए भी होता है क्योंकि शरीर खुद को ब्रेस्ट फीडिंग के लिए तैयार होता है। बच्चे को जन्म देने के बाद ब्रेस्ट साइज छोटा तो होता है, मगर यह जरुरी नहीं है कि वो अपने पुराने साइज में वापस आ सके। इस दौरान ब्रेस्ट की टाइटनेस भी कम हो जाती है।

ब्रेस्टफीडिंग कराना

महिलाएं प्रेग्नेंसी के बाद बच्चों को ब्रेस्टफीडिंग कराती है। यह सबसे बड़ा कारण है। शरीर में दूध बनने से ब्रेस्ट साइज पर काफी असर पड़ता है। बच्चे को लंबे समय तक ब्रेस्टफीड कराने से टिशू बढ़ जाते हैं।

वजन बढ़ना और घटना

खासतौर पर महिलाओं का तेजी वजन बढ़ना और घटने से इसका असर ब्रेस्ट पर पड़ने लगता है। जिससे स्किन भी काफी लटकने लगती है। ब्रेस्ट सैगिंग होने से स्किन काफी लटकी जाती है। इस कंडीशन में ब्रेस्ट टिशू के लटकने के साथ ही रिंकल्स भी स्किन पर पड़ने लगते हैं।

पाकिस्तान टीम की जर्सी में धांधली

एशिया कप 2०25 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम पर विवादों का साया लगातार गहराता जा रहा है। पहले भारत-पाकिस्तान मैच के टॉस के दौरान कप्तान सलमान अली आगा और सूर्यकुमार यादव के बीच हैंडशेक न होने की घटना सुर्खियों में रही और अब जर्सी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अतीक-उज-जमान ने सोशल मीडिया पर पीसीबी को आड़े हाथों लेते हुए खिलाड़ियों को दिए गए घटिया किट को लेकर करप्शन के आरोप जड़े हैं। अतीक उज जमान ने एक्स पर लिखा कि, पाकिस्तान टीम को ऐसे लो क्वालिटी जर्सी दिए गए हैं जिनमें खिलाड़ी मैच के दौरान पसीने से भीग रहे हैं। उन्होंने कहा कि, जब टेंड प्रोफेशनल्स की बजाय दोस्तों को दिए जाते हैं तो यही होता है। हमारे खिलाड़ी पसीने से भीगे रहे हैं और करप्शन पसीने से भी ज्यादा टपक रहा है। जमान ने भारत सहित अन्य टीमों के जर्सी का उदाहरण देते हुए कहा कि वे ड्राय-फिट पहने रहे हैं जबकि पाक खिलाड़ियों को घटिया सामान पकड़ा दिया गया। इस बीच यूएई को 41 रन से हराकर पाकिस्तान के सुपर फोर में जगह तो बना ली, लेकिन उनकी बैटिंग फिर सवालों के घेरे में है। टीम 146७9 तक ही पहुंच सकी। सलामी बल्लेबाज और मध्यक्रम लगातार फ्लॉप साबित हो रहे हैं। साइम अयूब तीन मैचों में खाता तक नहीं खोल पाए हैं। आखिरी ओवरों में शाहीन शाह अफरीदी ने 14 गेंदों पर नाबाद 29 रन ठोककर स्कोर को थोड़ा प्रतिस्पर्धी बनाया। मैच के बाद कप्तान सलमान अली आगा ने भी स्वीकार किया कि टीम की बैटिंग खासकर मिडिल ओवर्स में कमजोर रही है। उन्होंने कहा कि, हमने काम तो पूरा कर लिया लेकिन बीच के ओवरों में हमें बेहतर बैटिंग करनी होगी। अगर सही ढंग से खेलते तो स्कोर 17०-18० तक जाता। शाहीन अब मैच विनर बन चुके हैं उनकी बैटिंग भी सुधरी है। अबरार अहमद शानदार रहे हैं उन्होंने हमें मैचों में वापसी दिलाई है।

कौन होगा बीसीसीआई का नया अध्यक्ष? अमित शाह के साथ मीटिंग में होगा साफ

28 सितंबर को भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा दिन है। क्योंकि इस दिन बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारियों का चुनाव होना है। सबसे बड़ा मुद्दा अध्यक्ष पद को लेकर है। क्योंकि रोजर बिन्नी का कार्यकाल खत्म हो चुका है और अब अंतरिम चेयरमैन राजीव शुक्ला हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, 2० सितंबर को दिल्ली में सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों के साथ बीसीसीआई के अधिकारियों की मीटिंग होनी है। इसी दिन फैसला हो जाएगा कि कौन अगला चेयरमैन होगा। हालांकि, ऐलान 28 सितंबर को होने की संभावना है। ये अनौपचारिक बैठक गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर होगी, जहां बीसीसीआई के अगले नेतृत्व की अंतिम रुपरेखा तय होने की उम्मीद है। 2०22 में भी इसी तरह की एक बैठक में पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन ने तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली पर पिछले तीन सालों के उनके प्रदर्शन को लेकर तीखी अलोचना की थी। गांगुली उस समय एक और कार्यकाल के लिए बीसीसीआई के चेयरमैन पद पर बने रह सकते थे, लेकिन बैठक में अंततरू रोजर बिन्नी को इस पद के लिए चुना गया। गांगुली को उस बैठक में फिर से आमंत्रित किया जाएगा या नहीं, ये केवल अनुमान का विषय है। लेकिन अटकलें अभी भी उनके और उनके पूर्व साथी हरभजन सिंह के नाम को लेकर हैं। कर्नाटक के पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर रघुराम भट्ट के बारे में भी कुछ चर्चा हुई है। इसके अलावा पूर्व भारतीय विकेटकीपर किरण मोरे का नाम भी लिस्ट में शामिल है। जिनको बीसीसीआई अध्यक्ष पद की कुर्सी मिल सकती है। किरण मोरे भले ही एजीएम में शामिल प्रतिनिधियों में शामिल न हों, लेकिन इसके लिए भी प्रावधान है।

रमीज रजा की बदजुबानी, मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को लेकर भारत पर लगया आरोप, सूर्यकुमार यादव को लेकर भी कही ये बात

एशिया कप 2०25 में पाकिस्तान के ड्रामे खत्म नहीं हो रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए हाई-वोल्टेज मुकाबले में न केवल मैदान पर रोमांच पैदा किया, बल्कि मैच के बाद भी विवादों का दौर चला। दरअसल, मैच के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इस पर पूरा पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है और मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग कर दी। हालांकि, पीसीबी की इस मांग को खारिज कर दिया गया। लेकिन इस सब के बीच पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने एंडी पायक्रॉफ्ट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल, रमीज राजा ने आईसीसी के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। रमीज राजा ने पाइक्रॉफ्ट को भारत का चहेता करार दिया और दावा किया कि उनके फैसले एकतरफा प्रतीत होते हैं। ये विवाद हाथ मिलाने की एक छोटी-सी घटना से शुरू होकर पूरे टूर्नामेंट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा कर रहा है। यूएई के खिलाफमुकाबले से पहले पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में रमीज राजा ने पाइक्रॉफ्ट पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि, दिलचस्प बात ये है कि आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट भारतीय टीम के फेवरेट हैं। जब भी मैं टॉस की मेजबानी करता हूं, तो वह हमेशा वहां मौजूद रहते हैं। अभी हम डाटा पर बात कर रहे थे जिसमें वह 9० बार वह भारत के मैच में रेफरी रहे हैं। ये चीज मुझे काफी अजीब लगती है और ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्हें टीम इंडिया के मैचों में इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए अधिकतर लगाया जाता है। रमीज राजा के आरोपों में कितनी सच्चाई? बता दें कि, एंडी पायक्रॉफ्ट ने अभी तक टीम इंडिया के 124 मैचों में मैच रेफरी की भूमिका निभाई है। इसमें टेस्ट, वनडे और टी2० तीनों फॉर्मेट शामिल हैं। लेकिन पाकिस्तान की टीम के लिए अभी ये संख्या कम नहीं है। एंडी पायक्रॉफ्ट पाकिस्तान के 1०2 इंटरनेशनल मैचों में भी मैच रेफरी की भूमिका निभाई है। ऐसे में रमीज राजा का ये दावा सिर्फएक बेतुका बयान जैसा है। जिसमें कोई सच्चाई नहीं है।

सुपर-4 में इस दिन टकराएंगे भारत-पाकिस्तान

भारत के बाद अब पाकिस्तान टीम भी एशिया कप 2०25 के सुपर-4 में पहुंच गई है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में पाकिस्तान की भिड़ंत यूएई से थी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर ये मुकाबला खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने अपने नाम कर लिया। अब 2० सितंबर से एशिया कप 2०25 के सुपर राउंड की शुरुआत होने वाली है। एशिया कप की 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया था। दोनों ग्रुप से टॉप- 2 टीम को सुपर-4 में जगह मिलेगी। वहां सभी चार टीमें एक दूसरे का मुकाबला करेंगी। भारतीय टीम सुपर-4 के अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगी।

स्मृति मंधाना ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड, वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बनीं

नई दिल्ली। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 5० गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 5० गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बन गईं। इस मामले में उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, कोहली ने 2०13 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में शतक लगाया था और एक दशक से ज्यादा समय तक यह रिकॉर्ड उनके ही नाम था। मंधाना ने करेन रोल्टन को पीछे छोड़ा महज 5० गेंदों में शतक जड़कर मंधाना महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2०००-०1 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए

57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2०12-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। मंधाना ने मचाया धमाल मंधाना ने शतकीय पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े थे और यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी है। इस तरह बाएं हाथ की 29 साल की बल्लेबाज ने अपना ही 7० गेंद में शतक बनाने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। मंधाना एक ही साल में चार वनडे शतक बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज भी हैं और उन्होंने यह उपलब्धि 2०24 में हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया की टैमी ब्यूमोंट के बाद वह महिला वनडे में लगातार दो शतक बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज भी बन गई हैं। न्यूजीलैंड की एमी सैटर्थवेट ने 2०16-2०17 में लगातार चार शतक लगाकर महिला वनडे में सबसे ज्यादा लगातार शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था।

भारत को बड़ा झटका लगा

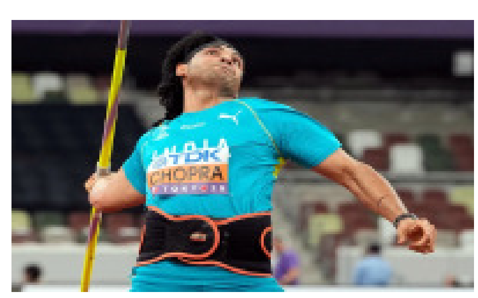

वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2०25 में भारत को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टोक्यो ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा वर्ल्ड चौंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। नीरज चोपड़ा फाइनल में चौथे राउंड के बाद बाहर हो गए हैं। उन्होंने वर्ल्ड चौंपियनशिप फाइनल में 83.65 मीटर, 84.०3 मीटर, 83.86 मीटर के थ्रो किए। वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2०25 में भारत को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टोक्यो ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा वर्ल्ड चौंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। नीरज चोपड़ा फाइनल में चौथे राउंड के बाद बाहर हो गए हैं। उन्होंने वर्ल्ड चौंपियनशिप फाइनल में 83.65 मीटर, 84.०3 मीटर, 83.86 मीटर के थ्रो किए। फाइनल में 12 एथलीट ने हिस्सा जहां नीरज 8वें स्थान पर रहे। बता दें कि, नीरज चोपड़ा ने 2०23 में वर्ल्ड चौंपियनशिप का गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया था। ओलंपिक के साथ-साथ वर्ल्ड खिताब अपने नाम करने वाले चुनिंदा एथलीटों में जगह बनाई थी। अब वह दूसरी बार लगातार ये खिताब जीतने की उम्मीद खत्म हो गई है। सचिन यादव ने पहले ही प्रयास में 86.27 मीटर भाला फेंककर कमाल किया। ये उनका अब तक का व्यक्तिगत श्रेष्ठ थ्रो भी बन गया। दूसरा थ्रो दर्ज नहीं कराने वाले सचिन ने तीसरे प्रयास में 85.71 मीटर भाला फेंका और पहले राउंड के बाद चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने अपने चौथे थ्रो में 84.9० मीटर फेंका। इसके बाद 5वें प्रयास में 85.96 मीटर और छठे प्रयास में 8०.95 मीटर भाला फेंका। वह चौथे स्थान पर रहे।

सुपर-4 मैच में भी हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया, नो- हैंडशेक पर पाकिस्तान फिर करेगा ड्रामा

एशिया कप में 2०24 के सुपर-4 में 21 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर मुकाबला खेला जाएगा। लेकिन इस मैच से पहले ही कयास लगाए जा रहे हैं कि, पाकिस्तान एक बार फिर बड़ा ड्रामा कर सकता है। दरअसल, इससे पहले बुधवार को यूएई के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान ने खूब ड्रामा किया।

पीसीबी की तरफ से टूर्नामेंट के बॉयकॉट की गीदड़भभकी और तमाम नौटंकियों के बाद आखिरकार एक घंटे की देरी में मैच हुआ। जिस रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने के लिए पाकिस्तान ने इतना सारा ड्रामा किया, वो टूर्नामेंट से हटना तो दूर, यूएई के खिलाफमैच में वो रेफरी की भूमिका में दिखे। हालांकि, पाकिस्तान और यूएई के बीच मुकाबला खेला गया जिसे पाकिस्तान ने जीतकर सुपर-4 में जगह बना ली। अब रविवार यानी 21 सितंबर को दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान एक बार फिर आमने-सामने होंगे। लीग नहीं, सुपर 4 के मुकाबले में। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान उस मैच में भी ड्रामा करेगा? इसके जवाब में कहा जा सकता

है कि, नहीं। पाकिस्तान ने बुधवार की ड्रामेबाजी के बाद न सिर्फ यूएई से मैच खेलने को तैयार हुआ बल्कि आने वाले सुपर-4 मैच में भारत के नो-हैंडशेक वाले रुख को मानने के लिए भी तैयार हो गया। संयोग से यूएई से मैच जीतने के बाद पाकिस्तानी टीम सुपर-4 में पहुंच गई है जहां उसका मुकाबला भारत से होगा। भारतीय टीम का रुख साफहै। वह सुपर-4 मैच में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाएगी। टाइम्स ऑफइंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने पीसीबी और पायक्रॉफ्ट के बीच मध्यस्थता की। उस दौरान पायक्रॉफ्ट ने कथित तौर पर पाकिस्तानियों अधिकारियों से कहा कि उन्होंने तो सलमान अली आगा को शर्मिंदगी से बचाया क्योंकि भारत ने पहले ही कह रखा था कि सूर्यकुमार यादव उनसे हाथ नहीं मिलाएंगे।

गोरखपुर में बाढ़ का संकट: शहर से सटे तकियाघाट – बहरामपुर में घुसा पानी, 22 नावें लगाई गई, ये गांव भी खतरे में

गोरखपुर। गीडा के नजदीक उतरासोत गांव के पास तीसरे दिन भी कटान जारी है। नदी अब करीब 500 मीटर दायरे में गाहासाड़–कोलिया बांध की तरफ कटान कर रही है। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता विकास कुमार सिंह की अगुवाई में शुक्रवार की पूरी रात बचाव कार्य चला लेकिन सफलता नहीं मिली। नेपाल के पहाड़ी इलाके में हुई भारी बारिश के कारण गोरखपुर से होकर बहने वाली तीन प्रमुख नदियां सरयू, राप्ती और रोहिन खतरे के निशान को पार कर गई हैं। राप्ती नदी खतरे के निशान से 13 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गई है और शहर से सटे तकियाघाट और बहरामपुर के निचले इलाकों में पानी भर गया है। बाढ़ प्रभावित लोग घर छोड़कर दूसरी सुरक्षित जगह चले गए हैं। नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ने से जिले के 33 गांव बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं। इन गांवों में आवागमन के लिए 22 नावें लगाई गई हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सामुदायिक रसोई घर शुरू किया गया है। शनिवार को बाढ़ प्रभावित लोगों में 800 पैकेट भोजन का वितरण कराया गया। राप्ती नदी उतरासोत गांव के सामने अभी भी कटान कर रही है। कटान रोकने के लिए 100 से अधिक मजदूर लगाकर बचाव कार्य कराए जा रहे हैं। बीते बुधवार को सभी नदियों के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी होने लगी। खतरे के निशान से काफी नीचे बहने वाली राप्ती नदी शनिवार को खतरे के निशान से 13 सेमी ऊपर पहुंच गई। उसके बढ़ने का क्रम जारी है। रोहिन नदी इस पूरे मानसून सीजन में खतरे के निशान के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी लेकिन वह भी चार दिन में ही लाल निशान से 91 सेमी ऊपर पहुंच गई। सरयू नदी चौथी बार खतरे के निशान से ऊपर पहुंची है। नदी बरहज में खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर पहुंच गई है। बाढ़ से घिरे गांवों में आवागमन ठप सरयू, राप्ती और रोहिन नदी में बाढ़ की वजह से जिले के 33 गांवों में आवागमन प्रभावित हो गया है। इन गांवों में आने–जाने के लिए 22 नावें लगाई गई हैं। प्रभावित गांवों में भोजन के पैकेट का वितरण किया गया है। वहीं ग्रामीण अपने जानवरों के भूसा–चारा को लेकर चिंतित हैं। उतरासोत के सामने नहीं रुका कटान..बढी चिंता गीडा के नजदीक उतरासोत गांव के पास तीसरे दिन भी कटान जारी है। नदी अब करीब 500 मीटर दायरे में गाहासाड़–कोलिया बांध की तरफ कटान कर रही है। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता विकास कुमार सिंह की अगुवाई में शुक्रवार की पूरी रात बचाव कार्य चला लेकिन सफलता नहीं मिली। शनिवार को भी वहां 100 से अधिक मजदूरों के साथ बचाव कार्य होता रहा। यहां हो रहे कटान की निगरानी शासन स्तर से भी हो रही है, इस वजह से कमिश्नर और डीएम भी मौके पर जाकर स्थिति की जानकारी ले चुके हैं। एसडीएम सदर की अगुवाई में राजस्व विभाग की टीम भी मामले की अपडेट जानकारी ले रही है। उतरासोत गांव के पास नदी अब 500 मीटर के दायरे में कटान कर रही है। वहां पर कैरेट, परक्यूपाइन सहित अन्य मैटेरियल डाले जा रहे हैं। रात–दिन मजदूर कार्य में जुटे हैं। कटान रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सरयू नदी का जलस्तर बढ़ा होने की वजह से राप्ती नदी का पानी निकल नहीं पा रहा है। इधर, रोहिन नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है। इन सबकी वजह से राप्ती नदी का जलस्तर भी बढ़ा हुआ हैरू विकास कुमार सिंह, मुख्य अभियंता– सिंचाई विभाग।

गर्भवती की मौत के मामले में दोषी को 10 साल की सजा

बस्ती। न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश शिवचंद की अदालत ने गैरइरादतन हत्या के मामले में परदेशी निवासी घुरहूपुर थाना गौर को 10 वर्ष कठोर कारावास तथा 30 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अदालत ने आदेश दिया कि अर्थदंड न देने की स्थिति में उसे चार माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। राजाराम निवासी घुरहूपुर ने 16 सितंबर 2011 को थानाध्यक्ष गौर को तहरीर दी थी। आरोप था कि 15 सितंबर 2011 की रात करीब 8रू30 बजे उसका पटीदारी का भतीजा परदेशी शराब के नशे में आकर गाली–गलौज करने लगा। मना करने पर उसने राजाराम को लाठी से मारा। बचाने आए बेटे प्रकाश और बहू लखिया को भी पीट दिया। प्रसव पीड़ा के दौरान बहू ने मृत शिशु को जन्म दिया और उसकी भी मौत हो गई। राजाराम को भी गंभीर चोटें आई थीं। मामले की विवेचना पूरी कर पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने परदेशी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। संवाद

समाधान दिवस... डीएम ने निपटाए 11 मामले

बस्ती। जिले की चारों तहसीलों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। बस्ती सदर तहसील में डीएम रवीश गुप्ता की मौजूदगी में सुनवाई हुइ। उन्होंने 11 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया। 32 मामले विभिन्न विभागों को हस्तांतरित किए गए। डीएम ने हिदायत दी कि एक ही शिकायत बार–बार नहीं आनी चाहिए। अधिकारी रुचि लेकर मामले निस्तारित कराएं। इस दौरान दोनों पक्षों की सुनवाई हो। संवाद

गैंगस्टर एक्ट में तीन अभियुक्तों को 10-10 वर्ष की सजा

बस्ती। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्त्वरित गति न्यायालय प्रथम प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने शुक्रवार को गैंगस्टर एक्ट में तीन दोषियों को 10 वर्ष कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने अभियुक्त राजा मिश्र, राम सूरत और इस्माइल निवासी मिश्रौलिया थाना कलवारी को 20–20 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित करने का आदेश दिया। 20 जुलाई 2007 को थाना कलवारी के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक त्रिभुवन प्रसाद ने तीनों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। आरोप था कि तीनों एक संगठित गिरोह बनाकर क्षेत्र में आपराधिक वारदातें करते हैं। इनके आतंक से लोग साक्ष्य देने का साहस तक नहीं कर पाते हैं। सुनवाई के बाद अदालत ने तीनों को दोषी मानते हुए कठोर सजा सुनाई। संवाद

युवती को भगाने का आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। दुबौलिया पुलिस ने एक युवती को धर्म परिवर्तन की नीयत से भगाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि दुबौलिया थानाक्षेत्र का रहने वाला चांद मोहम्मद उर्फ दानिस गत 13 सितंबर को बहला–फुसलाकर शादी का झांसा देकर युवती को लेकर भाग गया, जबकि उसका असली मकसद युवती का धर्म परिवर्तन करना था। परिजन जब बेटी की तलाश में लगे तो पता चला कि आरोपी उसे गुजरात ले गया है। इसके बाद परिजन गुजरात पहुंचे और बेटी को अपने साथ वापस ले आए। दुबौलिया थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी चांद मोहम्मद उर्फ दानिस के खिलाफ बहला–फुसलाकर भगाने और धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। संवाद

गुजरात से लौट रहे युवक की उन्नाव में मौत, शव आते ही मचा कोहराम

वाल्टरगंज। गुजराज के हरनाखबरी स्टील फैक्ट्री में काम करने गए थाना क्षेत्र के बनताला गांव निवासी 30 वर्षीय सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय आसाराम का घर लौटते समय संदिग्ध परिस्थितियों में उन्नाव रेलवे स्टेशन के निकट शुक्रवार को शव पाया गया। शनिवार देर शाम घर लाया गया। देर शाम अंतिम संस्कार बक्सई घाट पर किया गया। दिवंगत की पत्नी प्रीति ने बताया कि मंगलवार की रात उनके पति सुनील ट्रेन से घर लौटने के लिए निकले थे। उन्होंने फोन पर बताया कि उनके पीछे कुछ बदमाश लगे हैं जो उनकी जान लेना चाहते हैं। इसके बावजूद उन्होंने ट्रेन पकड़ने की कोशिश की और उन्नाव रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने दुबारा फोन कर बताया कि वही बदमाश अब भी उनका पीछा कर रहे हैं।

भाजपा नेता व व्यापारियों ने पुलिस कार्यालय पर दिया धरना, कार्रवाई की मांग

गोरखपुर। चिरंजीव चौरसिया ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार रात कोतवाली क्षेत्र में स्थित उनकी किराए की दुकान को पुलिस की मिलीभगत से गिरा दिया गया। घटना में न केवल नुकसान हुआ बल्कि दुकान में लूटपाट भी की गई। वह दो दिन से दोषियों पर केस दर्ज कराने और कार्रवाई के लिए थाने का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोतवाली थाना और दुर्गाबाड़ी चौकी प्रभारी टालमटोल कर आरोपियों की मदद कर रहे हैं। कोतवाली थाना पुलिस पर मनमानी और पक्षपात का आरोप लगाते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व डिप्टी मेयर चिरंजीव चौरसिया शनिवार को व्यापारी नेताओं और पार्षदों के साथ पुलिस कार्यालय पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने जमकर नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि पुलिस उनके साथ न्याय नहीं कर रही है। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने नेताओं को शांत करने की कोशिश की और बातचीत के लिए अपने साथ पुलिस कार्यालय के अंदर ले गए। पुलिस कार्यालय के बाहर करीब 45 मिनट तक हंगामा चलता रहा। भाजपा नेता और व्यापारी शनिवार की सुबह 11 बजे पुलिस कार्यालय पहुंचे लेकिन कोई अधिकारी मौजूद नहीं था। दोपहर 12 बजे तक इंतजार करने के बाद पुलिसकर्मियों ने बताया कि अधिकारी मीटिंग में हैं। इससे नाराज होकर नेता, व्यापारी और पार्षद पुलिस कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। आरोप है कि एसएसपी ने पूर्वाह्न 11 बजे मिलने का समय दिया था लेकिन कार्यालय पहुंचने पर कोई नहीं मिला। इस दौरान चिरंजीव चौरसिया ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार रात कोतवाली क्षेत्र में स्थित उनकी किराए की दुकान को पुलिस की मिलीभगत से गिरा दिया गया। घटना में न केवल नुकसान हुआ बल्कि दुकान में लूटपाट भी की गई। वह दो दिन से दोषियों पर केस दर्ज कराने और कार्रवाई के लिए थाने का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोतवाली थाना और दुर्गाबाड़ी चौकी प्रभारी टालमटोल कर आरोपियों की मदद कर रहे हैं। धरने पर बैठे लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने कहा कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

दरोगा पर हमला करने के आरोपी 2 पशु तस्करों संग 6 गिरफ्तार, नीट छात्र की हत्या के बाद बढ़ी सख्ती

गोरखपुर। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुलरिहा थाना क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो टोला दहला निवासी विशाल निषाद और सुनील निषाद, रामगढ़ताल इलाके के कठउर निवासी रामलखन, खजनी क्षेत्र के भीटी खोरिया निवासी आशुतोष, बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के धनहा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 तुम्कहा बाजा खलवा पट्टी निवासी राकेश गुप्ता और कठार निवासी दीपक यादव के रूप में हुई है। पिपराइच में दीपक गुप्ता हत्याकांड के बाद पशु तस्करों पर सख्ती बढ़ा दी गई है। पुलिस अफसर भी रात में गश्त कर रहे हैं। पुलिस ने अलग–अलग थाना क्षेत्रों से छह पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दो तस्करों पर गुलरिहा में दरोगा और सिपाही पर हमला करने का आरोप है। सभी आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुलरिहा थाना क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो टोला दहला निवासी विशाल निषाद और सुनील निषाद, रामगढ़ताल इलाके के कठउर निवासी रामलखन, खजनी क्षेत्र के भीटी खोरिया निवासी आशुतोष, बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के धनहा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 तुम्कहा बाजा खलवा पट्टी निवासी राकेश गुप्ता और कठार निवासी दीपक यादव के रूप में हुई है। पुलिस पर हमले की वारदात 19 जून 2025 की है। रात में गुलरिहा पुलिस गश्त पर थी। इसी दौरान दहला चौराहे से संगम चौराहे के बीच बिना नंबर की एक पिकअप दिखाई दी। पुलिस ने घेराबंदी की तो तस्करों ने पथराव शुरू कर दिया। जीप में मौजूद दरोगा अजीत कुमार शर्मा ने वायरलेस से सूचना प्रसारित की। इसके बाद गुलरिहा और शाहपुर थाने की पुलिस ने मिलकर संगम चौक पर पिकअप को घेर लिया। तभी तस्करों ने पथराव किया, जिसमें एक पत्थर पुलिस जीप के शीशे पर और दूसरा सीधे दरोगा के सिर पर लगा। इसके बाद तस्करों ने फायरिंग की और पुलिस जीप को टक्कर मारकर भाग निकले। इस मामले में शनिवार की सुबह पांच बजे गुलरिहा पुलिस ने मदरहवा निर्माणाधीन अंडरपास से विशाल निषाद और सुनील निषाद को गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह, 27 जून की रात खोराबार पुलिस ने कुशीनगर हाईवे पर चेकिंग के दौरान एक पिकअप से गोवंश बरामद किया था। रामनगर करजहां के चौकी प्रभारी आशुतोष सिंह की तहरीर पर दर्ज केस में शुक्रवार को पुलिस ने रामलखन और आशुतोष को गिरफ्तार किया। वहीं, शाहपुर इलाके में दो अगस्त की रात तस्कर रामजानकीनगर से दो गाय और एक बछिया लादकर ले गए थे। इस मामले में अंकुश यादव की तहरीर पर केस दर्ज किया गया था। शुक्रवार को पुलिस ने बिहार निवासी राकेश गुप्ता और दीपक यादव को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि छह पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया और सभी को जेल भिजवा दिया गया है।

मजदूरी विवाद में पिता–पुत्र पर केस दर्ज

पैकोलिया। मजदूरी के विवाद को लेकर दलित महिला के साथ छेड़खानी करने और उसके पति के साथ मारपीट करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पिता–पुत्र के खिलाफ छेड़खानी, मारपीट और एससीएसटी एक्ट में केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि गांव के विश्राम तिवारी ने मजदूरी नहीं दी। अकेली देखकर उसका हाथ पकड़कर घर में खींचने लगे। शोर मचाने पर महिला का पति आया।

चोर-चोर चिल्ला रहे थे अतुल जैन

पीछा करने पर बदमाशों ने ऐसे मार डाला!, चश्मदीद ने बताई पूरी कहानी

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा इलाके में स्कूटी सवार साइबर कैफे संचालक की सोने की चेन बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट ली। कैफे संचालक ने पीछा किया तो बदमाशों ने उसकी स्कूटी को लात मार दी, जिससे वह सड़क किनारे खड़े डाले में जा घुसे। सिर पर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। लखनऊ के गुडंबा के सेक्टर–जी इलाके में शनिवार सुबह बदमाशों ने पीछा कर रहे साइबर कैफे संचालक अतुल कुमार जैन (42) की स्कूटी पर लात मार दी। इससे वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डाले में जा घुसे। सिर पर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। चर्चा है कि अतुल चेन लूटे जाने पर बदमाशों का पीछा कर रहे थे। पुलिस ने उनके भाई की तहरीर पर सड़क हादसे में मौत का केस दर्ज किया है। अतुल गुडंबा के जानकीपुरम गार्डन में रहते थे। सुबह करीब छह बजे अतुल स्कूटी से एक परिचित को जिम छोड़ने 60 फिटा रोड तक स्कूटी से गए थे। अतुल की तीन तोले की चेन लूटकर भागे थे बदमाश भाई आशीष कुमार जैन के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लौटते वक्त सेक्टर जी चौराहा नंबर–4 के पास बाइक सवार दो बदमाश अतुल की तीन तोले की चेन लूटकर भागने लगे। इस पर उन्होंने शोर मचाते हुए पीछा किया। खुद को फंसता देख बदमाशों ने अतुल की स्कूटी में लात मार दी। इससे वह सड़क किनारे खड़े डाले में जा घुसे, जबकि उनकी स्कूटी घिसटते हुए 50 फीट दूर चौराहे तक पहुंच गई। सिर पर चोट लगने से अतुल गंभीर रूप से

घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची गुडंबा पुलिस ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई। अतुल ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि लूट की चर्चा की जांच की जा रही है।चाचा बोले– फुटेज से लूट का पता चला, नई तहरीर देंगे अतुल के चाचा सुशांत गोल्फ सिटी निवासी आलोक जैन का कहना है कि परिवार को सबसे पहले सड़क हादसे में अतुल की मौत की सूचना मिली थी। इसी आधार पर तहरीर दी गई थी। बाद में सीसीटीवी फुटेज देखने पर चेन लूट का पता चला। अब नई तहरीर दी जाएगी। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह का कहना है कि जांच में पता चला है कि अतुल की मौत खड़े डाले में टकराने से हुई थी। परिजनों ने जो आरोप लगाया है, उसकी जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी बोला– चोर–चोर चिल्ला रहे थे अतुल चश्मदीद ने बताया कि जिस वक्त घटना हुई, वह पास में ही मौजूद था। उसने स्कूटी सवार अतुल को चोर–चोर, पकड़ो–पकड़ो चिल्लाते सुना था। अचानक उनकी स्कूटी अनियंत्रित हुई और वह सड़क किनारे खड़े डाले में जा घुसे। पुलिस का दावा, फुटेज में चेन लूट की नहीं हुई पुष्टि एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस ने कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी है। किसी भी फुटेज में अतुल के साथ चेन लूट होते हुए नजर नहीं आई है। 50 सेकंड की वायरल हुई फुटेज में सबसे पहले बाइक सवार दो लोग तेजी से जाते दिखे हैं। इसके बाद स्कूटी सवार अतुल कुमार जैन डाले से टकराते दिख रहे हैं। एसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट लगने से उनकी मौत होने की पुष्टि हुई है। उनके गले पर खरोंच तक के निशान नहीं हैं। एसीपी का तर्क है कि तीन तोले की चेन छीने जाने के दौरान गले पर कोई तो निशान पड़ता। उन्होंने यह भी आशंका जताई है कि हादसे के फौरन बाद ही मौके पर भीड़ लग गई थी। हो सकता है कि भीड़ में किसी ने अतुल की चेन गायब कर दी हो। पुलिस चेन का पता लगा रही है।

एसपी गोयल अब स्वस्थ, आज संभालेंगे चीफ सेक्रेटरी की कुर्सी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद नवरात्रि के प्रथम दिन यानि कल सोमवार को पुनः अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। अस्वस्थता के कारण मुख्य सचिव एसपी गोयल पिछले लगभग एक महीने से स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे । कार्यवाहक मुख्य सचिव के रूप में वरिष्ठ आईएएस एपीसी दीपक कुमार मुख्य सचिव का दायित्व संभाल रहे थे।सरकारी सूत्रों की माने तो अब एसपी गोयल पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं और सोमवार को अपनी वापसी करेंगे।

यूपीसीओएस आउटसोर्सिंग प्रणाली की आधारशिला

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के लाखों आउटसोर्सिंग कर्मचारियों खातिर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा गठित उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड यूपीसीओएस राज्य में पारदर्शी, मानकीकृत और उत्तरदायी आउटसोर्सिंग प्रणाली की आधारशिला हैं।प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा है कि यह मॉडल न केवल भर्ती में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि रोजगार के क्षेत्र में एक नया उदाहरण भी पेश करेगा। यह कॉर्पोरेशन न केवल कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगा, बल्कि राज्य प्रशासन में दक्ष और योग्य मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। अभी तक राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति निजी एजेंसियों के माध्यम से होती थी। यह व्यवस्था विभागों के लिए भले सुविधाजनक थी लेकिन कर्मचारियों के लिए असुरक्षा, अनिश्चितता भरी हुई थी। सरकार ने अब व्यवस्था में बदलाव करते हुए कर्मचारियों को बड़ी खुशखबरी दी हैं। यूपीसीओएस गैर–लाभकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित की गई है, जो कंपनीज एक्ट 2013 की धारा–8 के तहत रजिस्टर्ड है। इसका उद्देश्य है राज्य के 93 सरकारी विभागों व संस्थाओं में आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रबंधन और निगरानी है।यूपीसीओएस भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी बनाएगा, जिसमें जेम पोर्टल केमाध्यम से पंजीकृत एजेंसियों का पैनल तैयार होगा। भर्ती में भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद जैसी समस्याओं पर रोक लगेगी।नई प्रणाली अंतर्गत नियुक्त कर्मचारियों को तीन साल के लिए अनुबंध पर रखा जाएगा। उन्हें 20,000 से 40,000 रूपये तक माहवार मानदेय मिलेगा। कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआईसी , पेंशन और बीमा जैसे सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे। कर्मचारियों, एजेंसियों और कॉर्पोरेशन के बीच त्रिपक्षीय अनुबंध होगा, जिससे जवाबदेही और प्रदर्शन निगरान की जा सकेगी। समय पर वेतन भुगतान की जिम्मेदारी कॉर्पोरेशन की होगी।

तहफ्फुज ए औकाफ सोसाइटी ने सौंपा ज्ञापन,कानपुर में दर्ज मुकदमे का विरोध किया

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में रविवार को तहफ्फुज ए औकाफ सोसाइटी ने ज्ञापन सौंपा। सोसायटी के अध्यक्ष तौहीद नजमी के नेतृत्व में आई लव मोहम्द मामले को लेकर नाराजगी जताई। संबंधित मामले में एसीपी बाजार खाला के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन देने पहुंचे सभी लोग आई लव मोहम्मद टीशर्ट पहनकर समर्थन करते हुए नजर आए। तौहीद नजमी ने कहा कि कानपुर के रावत पुर थाने में जो एफआईआर हुई है वो गैर कानूनी है। हम इसे रद्द करने की मांग करते हैं। कहा कि यह बेहद दुखद है कि पैगंबर का नाम लिखने पर मुकदमा दर्ज हो रहा है। कानपुर में 12 रवि अव्वल के समय पर आई लव मोहम्मद का बोर्ड लगाने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। एक धर्म के लोगों को उनके पैगंबर का नाम लिखने से रोका जा रहा है। यह भारत के धर्मनिरपेक्षता पर हमला है। तौहीद ने कहा कि पूरे विश्व में पैगम्बर मोहम्मद साहब को शांति के लिए महान हस्तियों में प्रथम स्थान पर रखा गया। शांति का पैगाम देने वाले पैगंबर का नाम लेने पर मुकदमा लिखना यह पहली बार हो रहा है और वह भी उत्तर प्रदेश में। पूरे विश्व में पैगंबर मोहम्मद साहब के अनुयायी है।

लखनऊ में मौसम साफ, निकली तेज धूप

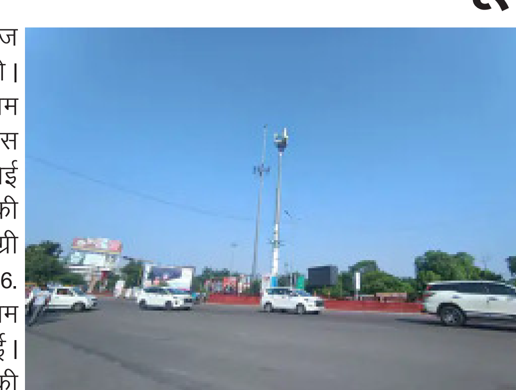

लखनऊ। लखनऊ में सुबह से मौसम साफ बना हुआ है। तेज चटक धूप निकली है। सुबह के समय हल्की ठंडी हवा चली। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज राजधानी का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। दिन में मौसम विभाग में फिलहाल कोई अलर्ट नहीं जारी किया है। दिन में 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। रविवार को अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 93 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 71 फीसदी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि मानसून की सक्रियता अब खत्म होने वाली है। अब हल्की बूंदाबादी की संभावना आने वाले दिनों में कम है। इसके साथ ही धूप–छांव की स्थिति बनी रहेगी। आने वाले दिनों में उमसभरी गर्मी का दौर बना रहेगा। लखनऊ में एक फीसदी कम बरसात लखनऊ में 1 जून से अब तक 1 फीसदी कम बरसात हुई है। सामान्य बरसात का औसत 630 मिलीमीटर है, जबकि बारिश कुल 621 मिलीमीटर हुई। सितंबर में सामान्य से 5 फीसदी कम बरसात हुई है। कुल बारिश 118.5 मिलीमीटर हुई है, जबकि सामान्य बारिश का औसत 125.1 मिलीमीटर है।

फिर हमलावर हुए आदमखोर भेड़िये...इस साल अब तक चार बच्चों को बनाया शिकार, वन विभाग पकड़ने में नाकाम

लखनऊ/ बहराइच। बहराइच में भेड़िया मां की गोद से मासूम को छीन ले गया। इस साल अब तक भेड़ियों ने चार बच्चों को शिकार बनाया है। वन विभाग की टीम ड्रोन से निगरानी कर रही है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से भेड़िये का खौफ दिखाई देने लगे है। बहराइच जिले में पिछली साल की तरह इस बार भी भेड़िये की आदमखोर बनने लगे हैं। बहराइच जिले के मंझारा तौकली गंदूझाला गांव में शनिवार सुबह मां की गोद से तीन वर्षीय मासूम अंकेश को भेड़िया झपट्टा मारकर उठा ले गया। मां की चीख सुनकर ग्रामीण लाठी–डंडा लेकर दौड़े, लेकिन भेड़िये और बच्चे का पता नहीं चला। डीएफओ राम सिंह यादव, रेंजर ओंकारनाथ यादव और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बच्चे की तलाश में ड्रोन की भी मदद ली, पर सफलता नहीं मिली। घटना से ग्रामीणों में दहशत और गुस्सा है। फखरपुर ब्लॉक के मंझारा तौकली गंदूझाला गांव निवासी रक्षाराम यादव का पुत्र अंकेश मां सरला देवी की गोद में लेटकर सुबह दूध पी रहा था। इसी दौरान भेड़िया तेजी से आया और अंकेश को

गोद से खींचकर खेत की ओर भाग गया। देर शाम तक बच्चे का पता नहीं चला। घटना के बाद सहमे ग्रामीण बच्चों को घरों से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। इस साल अब तक चार बच्चों को शिकार बना चुका है भेड़िया इस साल भेड़िया अब तक चार बच्चों को शिकार बना चुका है। तीन जून को गदामार के गढ़ीपुरवा निवासी आयुष (2), 10 सितंबर को मंझारा तौकली के परागपुर निवासी ज्योति (4), 12 सितंबर को भौंरी के बहोरवा निवासी संध्या (4 माह) और अब 20 सितंबर को अंकेश (3) को भेड़िया मां की गोद से उठा ले गया। पिछले वर्ष इसी समय 10 लोग भेड़िये के शिकार हुए थे। अब फिर भेड़िया हमलावर हुए हैं। भेड़िये ने बकरी पर किया हमला कैसरगंज क्षेत्र के तौकली के हरीरामा पुरवा में शनिवार शाम एक बकरी पर भेड़िये ने हमला कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भेड़िया बकरी को छोड़कर गन्ने के खेत में भाग गया। रेंजर ओंकार नाथ ने बताया कि टीम ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन से निगरानी शुरू कर दी है। वन विभाग ने लगाया पूरा जोर डीएफओ राम सिंह यादव का कहना है कि सरयू कछार घनी झाड़ियों और गन्ने के खेतों से घिरा हुआ है।

मॉडर्न कोच फैक्ट्री मजदूर संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन हुआ संपन्न

सदस्यता ही ट्रेड यूनियन का आधार है: अशोक शुक्ला

लालगंज रायबरेली। भारतीय रेलवे मजदूर संघ और भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध मॉडर्न कोच फैक्ट्री मजदूर संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन आवासीय परिसर के सुपरवाइजर क्लब में आदर्श सिंह बघेल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। अधिवेशन के मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री अशोक कुमार शुक्ला ने कहा कि निरंतर सदस्यता ही ट्रेड यूनियन का आधार है। उन्होंने कहा कि संघर्ष, संवाद और श्रमिकों की समस्याओं का समाधान की हमारा लक्ष्य रहता है। अखिल भारतीय मंत्री अशोक शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज 50 करोड़ लोग मजदूरी करते हैं उनमें से मात्र तीन करोड़ श्रमिक ही संगठित

क्षेत्र से आते हैं और अन्य 47 करोड़ के लगभग मजदूर असंगठित क्षेत्र के हैं जिनको किसी भी प्रकार की कोई सहायता सरकार या अन्य संगठनों से नहीं मिलती है। मजदूर संघ का लक्ष्य है कि सभी श्रमिकों को संगठित क्षेत्र के दायरे में लाया जाए और उन्हें भी समुचित सुविधाएं उपलब्धहो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित, उद्योग हित और श्रमिक हित ही मजदूर संघ की प्राथमिकता है। उनका कहना है कि राष्ट्र तभी समृद्ध होगा ,जब मजदूर खड़ा होगा और जब मजदूर खड़ा रहेगा तो राष्ट्र कभी भी निर्बल नहीं हो सकता है। अशोक शुक्ला ने मजदूरों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा के लिए संघ की प्रतिबद्धता भी जताई। उन्होंने मजदूरों के लिए न्याय और समानता की आवश्यकता पर जोर दिया।अशोक शुक्ला ने मजदूर संघ की भूमिका और उसके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बाबत जानकारी देते हुए बताया कि मजदूर संघ सरकार पर मजदूर हितों की नीतियों को लागू करने का दबाव बना रहा है और श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध भी कर रहा है। अशोक शुक्ला ने स्थानीय रेल कोच के मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं से फैक्ट्री में सदस्यता अभियान चलाने का आह्वान किया।अध्यक्षता कर रहे रेल कोच मजदूर संघ के अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल और महामंत्री सुशील गुप्ता ने कहा कि अशोक शुक्ला के उद्बोधन से मजदूरों में एक नई ऊर्जा और जागरूकता आने की उम्मीद है। मजदूर संघ लगातार मजदूरों के हितों के लिए काम करता रहता है। इस मौके पर भारतीय रेलवे मजदूर संघ के संगठन मंत्री राधा वल्लभ त्रिपाठी के साथ–साथ उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन के उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायबरेली प्रभारी उमाशंकर, राजेंद्र यादव ,रामसन अग्रहरि, राकेश कुमार ,कुणाल रोशन, रामबरन वर्मा, ज्ञानेंद्र सिंह, अश्विनी कुमार, गिरिराज सैनी, आरपी सिंह ,जितेंद्र सिंह, अनिमेष त्रिपाठी, प्रणव कुमार, अंबुज, ओम प्रकाश मौर्य ,रंजीत यादव, देवनाथ निर्मल आदि कर्मचारी नेता भी मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे के द्वारा मिट्टी के लिए खोदी गई झील में डूबने से बालक की मौत

लालगंज रायबरेली। गंगा एक्सप्रेसवे के द्वारा मिट्टी के लिए को खोदी गई झील के गहरे पानी में डूबने से देवगांव निवासी प्रदीप लोधी के 13 वर्षीय पुत्र अनुराग लोधी की दर्दनाक मौत हो गई है। गांव के ही सुरेश लोधी ने बताया कि अनुराग गांव के दो–तीन अन्य बच्चों के साथ खेतों की तरफ गया था तभी वह अचानक पैर फिसलने से झील में चला गया और डूब गया। अनुराग के झील में डूब जाने से बच्चों ने चीख पुकार मचाई तो गांव के लोग इकठ्ठा हुए और किसी तरह रस्सी के सहारे झील में उतरकर डूबे हुए अनुराग को बाहर निकाला। गांव वाले अनुराग को लेकर आनन फानन लालगंज सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लालगंज प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने अनुराग केशव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजाहै। अनुराग के पिता दिलीप लोधी मां किरन लोधी और बड़े भाई राज सहित छोटी बहन रागिनी का रो रो कर बुरा हाल है। अनुराग गांव के ही प्राइमरी स्कूल में कक्षा तीन का छात्र था।

युवक पर हमला,पिता–पुत्र समेत 4 लोगों ने लोहे की रॉड से किया वार

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक पर लोहे की रॉड से हमला किया गया। भट्टा गांव के रहने वाले भगवत उर्फ राजेश को पड़ोस के चार लोगों ने घायल कर दिया। पीड़ित को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के पिता रनवीर शर्मा ने बताया कि शनिवार रात को मोहित नाम का युवक उनके बेटे को बहाने से अपने साथ ले गया। कुछ दूर जाकर मोहित ने अपने भाई, पिता और एक अन्य परिवार के सदस्य के साथ मिलकर हमला कर दिया। राहगीरों ने परिवार को इस घटना की सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपी मोहित, उसके पिता जितेंद्र और सौरभ समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों से कोई पुराना विवाद नहीं था। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

अवैध संबंध के शक में महिला की हत्या,पति ने चाकू से किया हमला

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के दादरी में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना रामपुर फतेहपुर गांव की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सोनू शर्मा (36) बुलंदशहर के वीरखेड़ा गांव का रहने वाला है। वह रामपुर फतेहपुर में किराए के मकान में रहता था। उसने अपनी पत्नी चंचल शर्मा (28) पर अवैध संबंधों का शक करता था। इसी शक में उसने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया और उसे मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही दादरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया है। मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचित कर दिया है। मौके पर स्थिति शांतिपूर्ण है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

कार ने बाइक सवार को टक्कर मारकर भागा, पुलिस ने युवक को किया अरेस्ट

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के सुराजपुर थाना क्षेत्र में तिलपता के पास हिट एंड रन का मामला सामने आया। एक सफारी गाड़ी ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। चालक मौके से फरार हो गया। पीछे चल रहे एक कार सवार ने घटना को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। सूरजपुर पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। गाड़ी नंबर के आधार पर चालक को पकड़ लिया। पुलिस ने गाड़ी को भी कब्जे में ले लिया है। बाइक सवार गिरने के बाद भी उसने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। पुलिस से भी संपर्क नहीं किया। पुलिस ने वीडियो वायरल होने के बाद स्वतः संज्ञान लिया।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में निरक्षरों की हुई परीक्षा

मरटाला गाला ग्राम पंचायत में 60 निरक्षरों ने दी परीक्षा

बाड़मेर। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम में निरक्षर महिला–पुरूषों को बुनियादी अक्षर व संख्याज्ञान की साक्षरता प्रदान की जा रही है। जिस कड़ी में 21 सितम्बर रविवार को विभागीय आदेशानुसार निरक्षर महिला–पुरूषों की बुनियादी परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें मरटाला गाला ग्राम पंचायत में दो परीक्षा केन्द्रों पर आवंटित लक्ष्य अनुरूप 60 निरक्षर महिला और पुरूषों ने परीक्षा दी। ग्राम पंचायत साक्षरता प्रभारी व शिक्षक मुकेश बोहरा अमन ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार रविवार को ग्राम पंचायत मरटाला गाला में चयनित 120 निरक्षरों में से लक्ष्य अनुरूप शत–प्रतिशत 60 निरक्षर महिला–पुरूषों ने परीक्षा दी। अमन ने बताया कि रविवार को सांसियों का तला में चयनित निरक्षर घर का काम–काज छोड़कर प्रातः परीक्षा केन्द्र पहुंचे जहां उन्होंनें रूचि दिखाते हुए भाग लिया और परीक्षा दी। यह शिक्षा के प्रति जागरूकता का नायाब उदाहरण है। परीक्षा सम्पादन को लेकर परीक्षा केन्द्र राउमावि मरटाला गाला में सर्वेयर बाबुलाल, शिक्षक महेश सिंह, जगमाल सिंह व अणदू चौधरी तथा राउप्रावि सांसियों का तला में मुकेश बोहरा अमन, उषा जैन, डालूराम सेजू व राणसिंह उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने चलाया विदेशी सामान बहिष्कार अभियान

रायबरेली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता के आवाहन पर प्रदेश भर में व्यापारियों को जोड़कर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में रायबरेली के प्रमुख बाजारों में जिला अध्यक्ष प्रभाकर गुप्ता नगर अध्यक्ष केके गुप्ता एवं जिला संरक्षक संदीप जैन के नेतृत्व में दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल व विदेशी का बहिष्कार, एक राष्ट्र एक चुनाव, अंग्रेजों के समय बनाए गए काले कानून का समापन, ऑनलाइन व्यापार पर लगाम, पंजीकृत व्यापारियों से विधान परिषद सदस्य का चुनाव, भ्रष्टाचार का समापन, राष्ट्रीय व्यापारी दिवस की घोषणा, लघु उद्योगों को निशुल्क भूखंड आवंटन जैसे विषयों पर व्यापारियों से हस्ताक्षर करवाकर सहमति बनाई गई। प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं खुदरा व्यापार को बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। जिला महामंत्री संदीप शुक्ला एवं जिला कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता ने कहा कि हम व्यापारियों को राष्ट्रीय हित का भी ध्यान रखना चाहिए। जिला युवा अध्यक्ष पंकज प्रजापति एवं जिला उपाध्यक्ष आशीष जैन ने कहा कि इस हस्ताक्षर अभियान के द्वारा एक आम सहमति बनाकर सभी मुद्दों को लागू करने के लिए सरकार से प्रमुखता से मांग की जाएगी। इस अवसर पर जिला मंत्री शिखर श्रीवास्तव, शकील अहमद, बीके रावत, आलोक सिंह, विक्रम चौधरी,आदि तमाम व्यापारी उपस्थित रहे।

लखनऊ के नए मंडलायुक्त ने संभाली कुर्सी

शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट बेहतर करेंगे, जनता की सुनवाई को प्राथमिकता मिलेगी

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ मंडल के नए आयुक्त विजय विश्वास पंत ने शनिवार को कुर्सी संभाल ली। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। उन्होंने कहा शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट बेहतर करेंगे। इसके साथ ही जनता की सुनवाई को प्राथमिकता मिलेगी। पंत अब तक प्रयागराज के मंडलायुक्त थे। लखनऊ की कमिश्नर रहीं रोशन जैकब को अब खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। 2004 बैच के आईएएस अधिकारी विजय विश्वास पंत ने शनिवार को कार्यभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ मंडल की प्रमुख समस्याओं को समझने के लिए वह सभी उच्च अधिकारियों से बैठक करेंगे। ट्रैफिक से लेकर नागरिक सुविधाओं तक के मुद्दों पर ठोस समाधान की दिशा में काम करेंगे। विजय विश्वास पंत ने कहा कि ट्रैफिक लखनऊ की सबसे बड़ी समस्या है। इस पर दो स्तर पर काम होगा–एक शॉर्ट टर्म प्लान, जिससे तुरंत राहत मिल सके, और दूसरा लॉन्ग टर्म प्लान, जिससे आने वाले वर्षों में स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट को वैज्ञानिक तरीके से लागू किया जाएगा ताकि लोगों को परेशानी न झेलनी पड़े। मंडलायुक्त ने साफ किया कि जनता की सुनवाई उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा और जो काम अटके हैं, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों के क्रियान्वयन को भी

टॉप प्राथमिकता बताया। विजय विश्वास पंत लखनऊ से पहले प्रयागराज मंडल के कमिश्नर और आजमगढ़ के मंडलायुक्त रह चुके हैं। प्रशासनिक सख्ती और ईमानदारी के लिए उन्हें जाना जाता है। कानपुर में डीएम रहते हुए प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता और सड़क–बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं पर खुद साइट विजिट कर निगरानी की थी। प्रयागराज में उन्होंने महाकुंभ के दौरान भगदड़ से थोड़ी देर पहले वहां सो रहे अधिकारियों को आगाह कर दिया था। इसके बाद उनकी दूरदर्शिता के चर्चे होने लगे थे। 2018 में कानपुर के डीएम बनने के बाद उन्होंने करप्शन पर सख्ती से रोक लगाई। वह अक्सर प्रोजेक्ट साइट पर जाकर काम की प्रगति देखते और लापरवाही मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते। इसी दौरान उनके पास कानपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार भी था। विजय विश्वास पंत मूल रूप से उत्तराखंड के हल्द्वानी के रहने वाले हैं। उनके पिता पीसीएस अफसर और मां उत्तराखंड में उच्च शिक्षा निदेशक रही हैं। उन्होंने कानपुर आईआईटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और आईएएस बनने के बाद प्रशासनिक सेवा में आए। खुद एक समय वह शिक्षक बनना चाहते थे।

सीएम योगी का नाम सुनकर कांपते हैं अपराधी : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा कि 2017 के बाद से मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए अभियान शुरू हुआ। आज आलम यह है कि अपराधी मुख्यमंत्री योगी का नाम सुनकर ही कांप जाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। द्वापर और त्रेता युग में देवता भी देवियों की आराधना करते थे। घर में भी शिक्षा के लिए सरस्वती माता और धन के लिए मां लक्ष्मी की पूजा होती है। कष्ट में हम सनातन धर्म वाले मां काली को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले क्या हालात थे किसी से छुपे नहीं। हमारी बहनें 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति को एक बार याद करें। 2017 से पहले बेटी 5 बजे घर नहीं आती थी तो परिवार घबराता था। नारा चलता था देख सपाई बिटिया घबराई। पाठक ने कहा कि आज अपराधी गले में तख्ती लटका कर कह रहे हैं अपराध नहीं करना है। आज अपराधी अपराध से तौबा तौबा चिल्ला रहे हैं। प्रदेश में 44177 बेटियों को पुलिस में भर्ती किया गया। आज किसी रोमियो की ताकत नहीं है किसी बेटी पर फबती कस दे,यह वही पुलिस है जो पहले थी। डिप्टी सीएम पाठक ने कहा कि सपा के गुंडों ने सीओ को गाड़ी के बोनट पर लटका कर एसपी के घर में घुसेड़ दिया। पहले एसपी को भी सपा सरकार में थप्पड़ मार दिए जाते थे। आज पुलिस प्रशासन शक्ति के साथ काम कर रहा है। आज एनसीआरबी के आंकड़े अपराध की हालत बता रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अपराधियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए सजा हो रही है। प्रधानमंत्री आवास भी बेटियों के नाम पर दिया जा रहा। पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सत्ता में भागीदारी दी। कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को फाड़ दिया था। भारत की बेटी संसद में बैठकर देश का कानून बनाएंगी।

विज्ञान नगरी के 36वें स्थापना दिवस कार्यक्रमों का हुआ भव्य समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी की स्थापना की 36वी वर्षगांठ विज्ञान नगरी में धूमधाम से मनायी गयी। सात सितम्बर से इक्कीस सितम्बर तक यह वर्षगांठ एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। जिसमे आम जनमानस तथा स्कूली बच्चों के लिये विभिन्न कार्यक्रमों व जागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है। इस अवधि में क्विज, पोस्टर, बेस्ट आफ द वेस्ट, आकाश दर्शन, वैज्ञानिक लेक्चर, फिल्म भो सहित अनके कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की प्रतिभागिता रहती है। इस दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण तथा हिन्दी पखवाड़ा जैसे कार्यक्रम भी कराये जाते है। विज्ञान नगरी के विज्ञान शिक्षा अधिकारी राम कुमार ने बताया कि 7 सितम्बर के दिन विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुयी तथा 21 सितम्बर के दिन इस केन्द्र को विज्ञान नगरी के रूप में मान्यता मिली थी। समापन के दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के बच्चों को ट्राफी, प्रमाण–पत्र, मेडल तथा उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजधानी के विभिन्न विद्यालयों के बच्चें उपथित थें।

लुटेरों का स्कूटी से पीछा करने में डाले के नीचे आने से मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह लूट की वारदात ने एक व्यक्ति की जान ले ली। चेन छिनने के बाद वह लुटेरों का स्कूटी से पीछा करने लगे थे। 80 की स्पीड से स्कूटी चल रही थी। स्लिप हुई तो वह गिरकर डाले के नीचे चले गए और मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अतुल कुमार जैन के रूप में हुई है। वह जिम जाने के लिए निकले थे। इस घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। हालांकि, उनकी स्कूटी के पीछे भी एक बाइक आती दिख रही है। बताया जा रहा है कि चेन छीनने के दौरान हुई धक्का–मुक्की में संतुलन खो गया और अतुल सड़क पर घिसटते हुए डाले से टकरा गए।

घर लौटी उम्मीद: लखनऊसे शुरू हुई त्राया की ऑफलाइन 'होप स्टोरीज' का पहला अध्याय

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत का अग्रणी समग्र हेयर हेल्थ ब्रांड त्राया ने लखनऊ में अपनी डिजिटल सीरीज 'होप स्टोरीज' का पहला ऑफलाइन संस्करण लॉन्च किया। यह सीरीज, जिसकी शुरुआत ऑनलाइन हुई थी, उन वास्तविक कहानियों को साझा करती है जिनमें लोग त्राया के उपचारों से बाल झड़ने की समस्या पर विजय पाते हैं। इसे ऑफलाइन लाने का मकसद ग्राहकों से और गहरा जुड़ाव बनाना है, जिसकी शुरुआत त्राया ने अपने अहम बाजार लखनऊ से की। कई सालों से होप स्टोरीज ऑनलाइन साझा की जाती रही हैं, जिससे प्रेरणा और बदलाव का एक मजबूत समुदाय बना। लखनऊ संस्करण के साथ, त्राया ने उसी गर्मजोशी और प्रामाणिकता को ऑफलाइन रूप दिया, जहां ग्राहकों, मीडिया और इन्फ्लुएंसर्स ने एक साथ मिलकर हिम्मत और पुनर्विकास की सच्ची कहानियों का जश्न मनाया। आयुर्वेद, न्यूट्रिशन और डर्मेटोलॉजी को मिलाकर त्राया एक समग्र हेयर हेल्थ ब्रांड के रूप में बाल झड़ने की जड़ वजहों का समाधान करता है। बाल झड़ना एक मौन संघर्ष है, जो कई लोगों के लिए भावनात्मक रूप से थका देने वाला और अलग–थलग कर देने वाला अनुभव होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए त्राया ने 'होप स्टोरीज' की शुरुआत की। एक ऐसा मंच, जहां कंपनी के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हेयर लॉस ट्रीटमेंट से लाभान्वित असली ग्राहकों की कहानियां साझा की जाती हैं। लखनऊ से शुरू हुए ऑफलाइन इवेंट्स के माध्यम से इन कहानियों को जीवन्त बनाकर त्राया का उद्देश्य अपनी कम्युनिटी से और गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव बनाना है और दूसरों को यह दिखाना है कि बदलाव न केवल संभव है, बल्कि वह हो रहा है। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए त्राया की फाउंडर सलोनी आनंद ने कहा, "त्राया होप स्टोरीज के पहले ऑफलाइन संस्करण की मेजबानी करना मेरे लिए बेहद विनम्र और यादगार अनुभव रहा। हमें जो प्यार और ऊर्जा सीधे लोगों से मिली, उसने एक बार फिर यह साबित किया कि त्राया का अस्तित्व क्यों है, ताकि हम अपने ग्राहकों को हमेशा केंद्र में रख सकें। इन ऑफलाइन कनेक्शनों के माध्यम से हमारा उद्देश्य और अधिक जिंदगियां बदलना और दूसरों को प्रेरित करना है। त्राया का थ्री–साइंस अप्रोच केवल हेयर लॉस को हल करने के लिए नहीं है, बल्कि यह लोगों को उनका आत्मविश्वास वापस दिलाने और खुद से फिर से जुड़ने में मदद करने का प्रयास है, खासकर तब, जब बालों का स्वास्थ्य हाथ से निकलता हुआ महसूस होता है।

आउटसोर्सिंग: विधवा, तलाकशुदा, लोकल को मिलेगी वरीयता

न्यूनतम सैलरी तय, यूपी आउटसोर्स निगम के गठन का आदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। आउटसोर्सिंग नौकरियों के लिए आवेदन करने वाला शख्स स्थानीय निवासी है और पद के लिए जरूरी योग्यता से ज्यादा पढ़ा–लिखा है तो उसके चयन के अवसर बढ़ जाएंगे। आउटसोर्सिंग वाले कर्मचारियों को वेतन हर माह 1 से 5 तारीख के बीच मिल जाएगा। सचिवालय प्रशासन विभाग ने यूपी आउटसोर्स निगम के गठन का कार्यकारी आदेश जारी कर दिया। निगम के गठन को यूपी कैबिनेट ने 2 सितंबर को ही मंजूरी दे दी थी।निगम नियामक निकाय के तौर पर काम करेगा और आउटसोर्सिंग एजेंसियों की निगरानी करेगा ताकि कर्मचारियों के हित सुरक्षित रहें। निगम देखेगा, कर्मचारियों को समय से तनख्वाह मिले, उनका ईपीएफ खाता खुले और बीमा लाभ मिले। शासनादेश में तय हुआ कि किस सेवा के लिए संविदाकर्मी को कितना वेतन मिलेगा। न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये प्रति माह तय किया गया है।एजेंसियों का चयन जेम पोर्टल के जरिए होगा। एजेंसियों के मार्फत आए अभ्यर्थियों में से चयन के लिए मापदंड तय किए गए हैं। निर्धारित योग्यता से ज्यादा

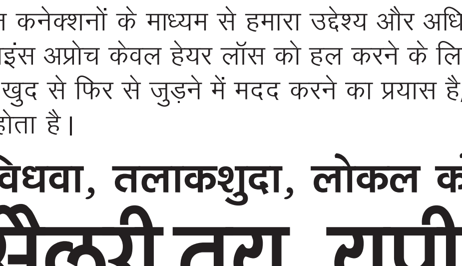

योग्यता रखने वाले को अधिकतम 25 अंक, विधवा, तलाकशुदा व परित्यक्ता को अधिकतम 10 अंक, लिखित परीक्षा में प्राप्तांक के लिए अधिकतम 50 अंक और स्थानीय निवासियों को अधिकतम 15 अंक दिए जाएंगे। इसके आधार पर चयन होगा। विधवा को पहली वरीयता, तलाकशुदा को दूसरी और परित्यक्ता को तीसरी वरीयता दी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को निगम एक विशिष्ट कोड जारी करेगा। चयन मे आरक्षण नियमों का पालन होगा। यूपी मे करीब 5 लाख आउटसोर्स कर्मचारी है।आदेश में निगम का स्वरूप भी तय हो गया है। महानिदेशक इसके प्रशासनिक मुखिया होंगे। निदेशक मंडल का अध्यक्ष मुख्य सचिव को बनाया गया है, जबकि महानिदेशक सचिव होंगे।

नोएडा एथॉरिटी ने ई–साइकिल योजना पर एनटीसी से मांगा जवाब,एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी ने नहीं किया काम

नोएडा, (संवाददाता)। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से नोएडा प्राधिकरण ने ई–साइकिल परियोजना को नोएडा स्थापना दिवस पर लॉन्च किया था। जिससे आसपास के कार्यालयों में आने जाने वाले लोगों को सार्वजनिक वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। योजना लॉन्च होने के चार माह बाद ही फ्लाप हो गई है। कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया जाना था। बतौर इसकी जांच के लिए सीईओ के निर्देश पर तीन शीर्ष अधिकारियों जिसमें एसीईओ सतीश पाल, ओएसडी महेंद्र प्रसाद और जीएम आरपी सिंह की एक समिति बनाई। इस समिति ने एनटीसी से कुछ बिंदुओं पर जवाब मांगा है। प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि कंपनी एग्रीमेंट के अनुसार काम नहीं कर पा रही। प्राधिकरण की उम्मीदों पर खरी नहीं है। ऐसे में समिति ने फाइलों की जांच की। जांच में कई पाइंट सामने निकल कर आए। जिनको वेरिफाइ किया जा रहा है। इसके लिए एनटीसी के जीएम से तत्काल जवाब मांगा गया है। वो अपने स्तर या फाइल को मूव कराने वाले सक्षम कर्मियों से जवाब लेकर तत्काल समिति के सक्षम उपलब्ध कराएंगे। जिससे आगे की जांच की जाएगी। टर्बन मोबिलिटी को 62 डॉक स्टेशन पर इ साइकिल चलानी थी। 2023 में करीब चार साल की कवायद के बाद योजना को शुरु किया गया। उस समय 31 डॉक स्टेशनों पर ई साइकिल को शुरू किया। कंपनी ने कहा कि चार महीने में सभी 62 डॉक स्टेशनों पर ई साइकिल को शुरू किया जाएगा। ऐसा हुआ नहीं। प्राधिकरण ने योजना लॉन्च के होने करीब एक साल बाद कंपनी को नोटिस जारी किया। कंपनी ने जवाब नहीं दिया। इसी तरह दूसरा और अंतिम नोटिस जारी किया गया और कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने को कहा गया। उन्होंने बताया कि जीएम एनटीसी ने पूछा गया है कि टर्बन मोबिलिटी के साथ जो एग्रीमेंट किया गया है उसके अनुसार वो ई साइकिल चल रही है या नहीं?, कंपनी में पहले फेज में 31 स्थानों पर डॉक स्टेशन (जहां साइकिल खड़ी होती है) पर एग्रीमेंट के अनुसार विज्ञापन का कितना राइट्स दिया गया। वो उससे ज्यादा या अन्य डॉक स्टेशनों पर भी विज्ञापन कर रही है या नहीं इसका क्या स्टेटस है ? फाइलिंग प्रक्रिया को कैसे बढ़ाया गया। किन–किन कर्मचारियों ने कंपनी से संबंधित फाइल को मूव किया और कहा खामी रही। इसके अलावा अन्य पाइंट भी शामिल है। जिनको पूछा गया। उन्होंने बताया कि तत्काल प्रभाव से ये जवाब प्राधिकरण अधिकारी को देना होगा। जिसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। इस मामले में कंपनी ने कई बार अपने डायरेक्टर बदले और विज्ञापन के लिए डॉक स्टेशन की लोकेशन बदलने का आग्रह किया। जिसके बाद सीईओ ने पूरे मामले की जांच बैठा दी।

मिशन शक्ति का पांचवां चरण शुरू,एक माह चलेगा अभियान

बांदा, (संवाददाता)। जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण की जानकारी दी। यह अभियान एक माह तक चलेगा। मंत्री ने बताया कि पिछले 8 वर्षों में महिला उत्थान के क्षेत्र में 36 प्रतिशत की प्रगति हुई है। केंद्र और प्रदेश सरकार मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कार्यरत हैं। महिला अपराधों में कमी आई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो टीम का गठन किया गया है। महिला पुलिस में महिला आरक्षियों की भर्ती की गई है। चित्रकूटधाम मंडल बांदा के आयुक्त अजीत कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ किया है। उन्होंने सुरक्षित माहौल को विकास का आधार बताया।

जिला अस्पताल में मरीजों से अवैध वसूली, डॉक्टर बाहर की दवाएं लिख रहे

बांदा, (संवाददाता)। जिला अस्पताल में मरीजों से अवैध वसूली का मामला प्रकाश में आया है। अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के बजाय डॉक्टर बाहर की दवाएं लिख रहे हैं। इससे मरीजों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने इसी महीने जनपद का दौरा किया था। उन्होंने डॉक्टरों को बाहर की दवाएं न लिखने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। लेकिन इन निर्देशों का कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है। अस्पताल में दलालों का गिरोह सक्रिय है। ये दलाल डॉक्टरों के कमरों के बाहर बैठे रहते हैं। एक वायरल वीडियो में एक दलाल को मेडिकल बनवाने के लिए 100 रुपये की मांग करते देखा गया है। सीएमएस के कुमार ने बताया कि अस्पताल में लगभग सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध हैं।

बेटे के स्कूल में पिता को आया हार्ट अटैक, मौत

बांदा, (संवाददाता)। जवाहर नवोदय विद्यालय में एक पिता की हार्ट अटैक से मौत हो गई। अतर्रा थाना के बान बाबा का पुरवा निवासी 48 वर्षीय सुरेश शनिवार को अपने बेटे के स्कूल फॉर्म पर हस्ताक्षर करने गए थे। सुरेश अपने बड़े बेटे आदित्य के साथ दुरेड़ी स्थित विद्यालय बाइक से पहुंचे थे। उनका छोटा बेटा अनूप इसी स्कूल में पढ़ता है। फॉर्म पर हस्ताक्षर करते समय उन्हें पसीना आया और वे जमीन पर गिर पड़े। विद्यालय स्टाफ ने तुरंत स्कूल वाहन से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ड्रोन को लेकर अफवाहों पर लगाम, पुलिस ने गांव–गांव जाकर दिखाया ड्रोन

बांदा, (संवाददाता)। जिले में पिछले कुछ दिनों से ड्रोन और चोरों को लेकर फैल रही अफवाहों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने जनसहयोग, शांति समिति के सदस्यों और मीडिया का सहयोग लेकर इन अफवाहों को रोकने का प्रयास किया है।

धर्म बदलने वाले युवक को मारी गोली,दो साल पहले सलमान से बना था संतोष

अलीगढ़, (संवाददाता)। रोरावर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम सनसनीखेज वारदात हुई। तालसपुर हाईवे के पुल के नीचे बाइक सवार युवकों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली उसके हाथ में लगी, लेकिन जान बचाकर वह किसी तरह भाग निकला। हमलावरों ने कुछ दूर तक उसका पीछा भी किया, लेकिन मौके पर लोग जुटने लगे तो वह फरार हो गए। घायल युवक ने पुलिस कंट्रोल रूम पर कॉल कर पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही रोरावर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे गंभीर हालत में जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। घायल युवक की पहचान सलमान उर्फ संतोष निवासी तालसपुर खुर्द के रूप में हुई है। उसने बताया कि दो साल पहले उसने मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपनाया था। वह अब खुद को 'सनातनी' बताता है। सलमान का दावा है कि उसके धर्म परिवर्तन से गांव के कुछ लोग खासे नाराज थे, और कई बार उसे धमकियां भी मिल चुकी थीं। सलमान ने जिन लोगों पर हमला करवाने का आरोप लगाया है, उनके नाम हैं दृ फरीद, मुस्तफा, मुजाहिद और आमिर ठेकेदार। ये सभी आरोपी सलमान के रिश्तेदार भी हैं। सलमान के मुताबिक, ये सभी उसके धर्म परिवर्तन से नाखुश थे और इसी रंजिश में हमला कराया गया।घटना के तुरंत बाद फोरेंसिक विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से लेकर घायल के कपड़ों और शरीर तक से साक्ष्य जुटाए, जिससे कि किसी डिजिटल क्लू के जरिए हमलावरों की पहचान की जा सके। वहीं, पुलिस भी हाईवे के आस–पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को शक है कि हमलावरों की बाइक कैमरे में कैद हो सकती है। जांच में सामने आया है कि जिन आरोपियों पर सलमान ने हमले का आरोप लगाया है, उनके ही कारखाने में वह और उसकी पत्नी राजस्थान में काम करते थे। लेकिन एक महीने पहले किसी बात को लेकर दोनों को नौकरी से निकाल दिया गया था। तभी से दोनों पक्षों में विवाद और तनातनी बनी हुई थी।

छात्राओं से अश्लीलता करने वाला शिक्षक सस्पेंड, आरोपी के खिलाफ दी तहरीर

अलीगढ़, (संवाददाता)। अलीगढ़ में बेसिक शिक्षा विभाग के एक सरकारी स्कूल में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और अश्लीलता करने वाले शिक्षक को आखिरकार सस्पेंड कर दिया गया है। मामला अलीगढ़ के टप्पल ब्लॉक स्थित जरतौली गांव का है। जहां प्राथमिक विद्यालय में तैनात सहायक अध्यापक गिरिराज किशोर पर गंभीर आरोप लगे हैं। छात्राओं के साथ लगातार अमानवीय व्यवहार और अश्लील हरकतों की शिकायतें मिलने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया और आरोपी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया। 18 सितंबर को गांव के कुछ लोगों ने ब्लाक शिक्षा अधिकारी टप्पल को मोबाइल के माध्यम से शिकायत भेजी थी। शिकायत में बताया गया।

विधिक सलाहकार अमित आनन्द तिवारी (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय)
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आरजू खान द्वारा सीता आफसेट, 75 पूराना किला केन्ट रोड हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित कराकर एच 615 मलेसेमऊ गोमतीनगर विस्तार लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक आरजू खान मोबाइल: 09415282000 फोन नं. 0522–2968200 RNI No: UPHIN/2016/67528 Email: statementttodaynews@gmail.com
AgencyChannel: www.statementtodaynews.com
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखक के विचार व्यक्तिगत हैं किसी भी प्रकार के विवाद के समाधान के लिए न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा। (समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है)

अपर्णा यादव की मां पर एफआईआर, प्रियदर्शनी–जानकीपुरम योजना में घोटाले में नाम

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ की बहुचर्चित प्रियदर्शनी–जानकीपुरम योजना में भूखंड आवंटन घोटाले में अपर्णा यादव की मां और एलडीए की तत्कालीन संपत्ति अधिकारी अंबी बिष्ट के खिलाफ एफआईआर हुई है। इस मामले की जांच 2016 से चल रही थी थी। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की खुली जांच में तत्कालीन 5 अफसर दोषी पाए गए हैं। शासन ने पांचों अफसरों पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

इसके बाद लखनऊ स्थित विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। अंबी बिष्ट लखनऊ विकास प्राधिकरण में संपत्ति अधिकारी रहने के बाद लखनऊ नगर निगम में कर अधिकारी के तौर पर पदस्थ रहीं। करीब एक साल पहले 30 सितंबर 2024 को वह रिटायर हुई थीं। जांच में पाया गया कि तत्कालीन संपत्ति अधिकारी अंबी बिष्ट ने रजिस्ट्री और विक्रय विलेख (सेल डीड) पर हस्ताक्षर किए थे। तत्कालीन अनुभाग अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने कब्जा पत्र जारी किए, जबकि उपसचिव देवेंद्र सिंह राठौड़ ने आवंटन पत्र जारी किए। वरिष्ठ कास्ट अकाउंटेंट सुरेश विष्णु और अवर वर्ग सहायक शैलेंद्र कुमार गुप्ता पर भी फर्जी अभिलेख तैयार कर भूखंडों का गलत मूल्यांकन करने का आरोप है। विजिलेंस की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि इन पांचों अधिकारियों ने स्वर्गीय मुक्तेश्वर नाथ ओझा के साथ मिलकर आवंटन में हेरफेर की। सभी दस्तावेजों पर मौजूद हस्ताक्षरों की पुष्टि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराई गई, जो सही पाई गई। अब शासन ने धारा 120–बी आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू करने का आदेश दिया है। अंबी बिष्ट उत्तर प्रदेश महिला आयोग की वर्तमान उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की मां हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद वे अक्सर अखिलेश यादव और विपक्षी दलों पर बयान देती रही हैं। ऐसे में एफआईआर की इस कार्रवाई ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। 2016 में शासन ने इस प्रकरण की खुली जांच का आदेश दिया था। कई रिपोर्ट आने, समीक्षा और मंजूरी के बाद 18 सितंबर 2025 को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया। इसके बाद लखनऊ विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। इधर लखनऊ में मां अंबी बिष्ट पर एफआईआर दर्ज की गई और उधर अपर्णा यादव सुल्तानपुर जिला जेल दौरे में पहुंचीं। उन्होंने महिला बंदियों से मुलाकात की। इसके बाद जब वह बाहर निकलीं तो मीडिया ने उनकी मां पर एफआईआर दर्ज होने पर उनसे प्रतिक्रिया पूछी। इस पर उन्होंने कहा–नो कमेंट। इसके बाद वह राहुल गांधी पर बोलने लगीं। उन्होंने हाइड्रोजन बम वाले बयान पर कहा–वोट चोरी करना या न करना एक विषय है, कांग्रेस से ज्यादा वोट चोरी किसने की है? बोफोर्स क्या है? गूगल पर सर्च कर लीजिए, कांग्रेस की पोल खुल जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से राष्ट्र विरोधियों की नींद खराब हो गई है।

लापता युवक का शव नाले में मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

लखनऊ,संवाददाता। नगराम थाना क्षेत्र में लापता युवक का शव गांव के बाहर नाले में मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। शव सलेमपुर शारदा नहर साइफन के पास छतौनी कस्बा मार्ग पर स्थित नाले में मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। मृतक की पहचान छतौनी निवासी रामफेर (35) के रूप में हुई। उनकी पत्नी मीरा ने बताया कि रामफेर गुरुवार शाम करीब सात बजे घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने गांव और आसपास के इलाकों में उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह रामफेर का शव गांव से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर कच्चे रास्ते के किनारे ड्रेनेज नाले में मिला। थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वीडियोग्राफी कराते हुए शव को पानी से बाहर निकाला। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मृतक रामफेर के परिवार में उनकी पत्नी मीरा, एक बेटा और बेटी है। रामफेर तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। सबसे बड़ा भाई पवन और छोटा सुभाष है। मृतक बैंड–बाजा बजाता था। मृतक के भाई सुभाष ने बताया कि आज शुक्रवार सुबह उनकी किसी पुराने मामले में पेशी थी। वह और पवन बस से चारबाग पहुंचे ही थे कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी भाई रामफेर की डेड बॉडी मिली है। वापस दोनों भाई मौके पर पहुंचे। सुभाष का कहना है कि जिस जगह भाई का शव मिला है, उस जगह पर शराब के दो पाउच और चार ग्लास भी मिले है। रामफेर का फोन गायब है। बेल जा रही है लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा है।

मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कराये जा रहे सामूहिक विवाह की तैयारी अंतिम चरण में

लखनऊ,संवाददाता। मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कल रविवार दिनांक 21 सितंबर 2025 को कराए जाने वाले सामूहिक विवाह की तैयारी जोघ्र–शोर से की जा रही है। इसी सिलसिले में सब कमेटी के अध्यक्ष जनाब इमरान खान एवं सेक्रेटरी जनाब बशीर खान द्वारा एक बैठक बुलाई गई जिसमें जनाब खालिद इस्लाम, जनाब मेराज अहमद, जनाब सऊद अहमद साहब, जनाब अनवर सिद्दीकी साहब, जनाब आमिर खान साहब, जनाब आमिर किदवई साहब, जनाब जाहिद रजा साहब, मौलाना हम्माद करीम साहब, हाफिज सलमान साहब, जनाब मोहम्मद अफजल साहब, जनाब जुनेद साहब खासतौर से उपस्थित होकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। जनाब इमरान खान एवं जनाब बशीर खान ने बताया कि इस बार 9 जोड़ों का निकाह कराया जाएगा। सभी जोड़ों को कपड़ों हेतु 10000 नगद दिया गया। बाकी गृहस्थी का सारा सामान निकाह के उपरांत दिया जाएगा। इंशाल्लाह 21 सितंबर दिन रविवार बाद नमाज जोहर जामा मस्जिद मुंशी पुलिया पर सभी जोड़ों का निकाह शेख उल हदीस मौलाना मोहम्मद जकारिया संभली नदवी साहब द्वारा पढ़ाया जायेगा। जिसमें शहर के संभ्रांत एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोग उपस्थित रहेंगे।

पंचायती राज मंत्री ने की मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से समीक्षा बैठक

लखनऊ,संवाददाता। पंचायतीराज तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अपने प्रभार सुल्तानपुर के कलेक्ट्रेट सभागार में विकास योजनाओं एवं कानून व्यवस्था की सीएम डैश बोर्ड के माध्यम से समीक्षा बैठक की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रभारी मंत्री की अनुमति से विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की गहन समीक्षा प्रारम्भ की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री को अवगत कराया गया कि अगस्त में प्रदेश में जनपद की रैंक विकास कार्यों में 35वीं है। उन्होंने विभागवार जैसे अतिरिक्त ऊर्जा, उद्यान, ग्राम विकास, यूपी नेडा, लोक निर्माण विभाग, जल जीवन मिशन, विद्युत, खाद्य एवं आपूर्ति, कृषि विभाग, कृषि रक्षा रसायन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शहरी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल, नई सड़कों का निर्माण, राज्यमार्गों का अनुरक्षण, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी योजना, कुसुम योजना, सौभाग्य योजना आदि विभागों की योजनाओं का मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्रभारी मंत्री द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया गया।

सलेंडर लीकेज से अधिवक्ता के घर लगी आग

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के छितवनपुर मोहल्ले में एक अधिवक्ता के मकान में खाना बनाते समय सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे किचन और आसपास के हिस्से को चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना अधिवक्ता बृजेंद्र सोनकर के घर की है। बताया जा रहा है कि पितृ पक्ष के चलते पकवानों की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान एक गैस सिलेंडर से दो चूल्हे जोड़े गए थे, जिससे गैस लीक हो गई और आग लग गई। धुआं उठते ही अफरा–तफरी मच गई। पड़ोसियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर समय रहते बड़ी अनहोनी को टाल दिया। हालांकि, आग से रसोईघर और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।